शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

वर्ष-11, अंक-07, हिन्दी (मासिक), जुलाई 2024, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2024-26
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

03 मैं हूं एंजिल, लकी, ग्रेट...

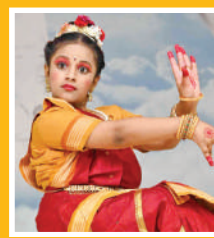

पानी में टीडीएस ज्यादा होने से वैज्ञानिकों ने खेती करने से किया मना, आज लहलहा रही है फसल

बंजर जमीन में 'आरोग्य वन' बिखेर रहा हरियाली

कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की मेहनत लाई रंग

जैविक खाद, यौगिक खेती पद्धति का कमाल, खेती में काम करने वाले सभी श्रमिक हैं निर्व्यसनी, राजयोग मेडिटेशन के बाद करते हैं काम की शुरुआत

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय आबू रोड में स्थित आरोग्य वन परिसर नजीर बन गया है। यहां एक समय बंजर जमीन थी। पानी में 3500-4200 टीडीएस होने से कृषि वैज्ञानिकों ने हाथ खड़े कर दिए कि यहां पर खेती करना संभव नहीं है। वहीं मिट्टी का पीएच लेवल 11 था। यदि फसल लगाएंगे तो उत्पादन नहीं होगा। लेकिन राजयोगियों की सेवा साधना और अथक परिश्रम से आज यहां सभी तरह के अन्न व सब्जी की फसलों का रिकार्ड उत्पादन हो रहा है।

इस अभिनव प्रयोग में ब्रह्माकुमारीज से जुड़े कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बनाए गए गौकृपा अमृतम (जैविक खाद) मील का पत्थर साबित हुआ। इस खाद के प्रयोग से न केवल फसलों पर टीडीएस का प्रभाव कम हुआ, बल्कि उत्पादन क्षमता भी बढ़ गई। साथ ही हरी घास और यौगिक खेती से आज आरोग्य वन किसानों और लोगों के लिए अनुसंधान केंद्र बन गया है। आइए जानते हैं कैसे बंजर जमीन में आज फसल लहलहा रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यहां काम करने वाले सभी 15-20 श्रमिक निर्व्यसनी हैं। काम शुरू करने से पहले राजयोग मेडिटेशन करते हैं। दोपहर में ईश्वरीय महावाक्य (मुरली क्लास) सुनते हैं।

पूरी जमीन में बिछाई हरी घास...

आरोग्य वन परिसर को विकसित करने के पूर्व एक साल बारिश में हरी घास को उगाकर पूरी जमीन में मोटी परत बिछाई गई। साथ ही गोबर खाद, जैविक खाद और बर्मी कम्पोस्ट खाद डाला गया। इसके बाद अगले साल आलू सहित अन्य सब्जियां लगाईं गईं। सबसे महत्वपूर्ण बात फसलों को पानी ड्रिप पद्धति के माध्यम से गौकृपा अमृतम जैविक खाद मिलाकर दिया गया। 200 लीटर पानी में एक लीटर खाद मिलाया जाता है। इस प्रयोग से फसलों पर पानी के ज्यादा टीडीएस का प्रभाव नगण्य हो गया और उत्पादन बेहतर हुआ।

क्या है गौकृपा अमृतम...

गौकृपा अमृतम जैविक लिक्विड खाद बनाने के लिए दो किलो गुड़, दो लीटर देशी गाय के दूध की छाछ सहित अन्य सामग्री को मिलाकर आठ दिन तक रखते हैं। इसके बाद 200 लीटर पानी में एक लीटर गौकृपा अमृतम मिलाकर खुले पानी या ड्रिप से फसलों पर छिड़काव किया जाता है। इससे खेती के लिए लाभदायक बैक्टीरिया बढ़ते हैं और फसल का उत्पादन अच्छा होता है।

- **13 दिसंबर 2021** में रखी गई नींव
- **17 एकड़** क्षेत्र में फैला है आरोग्य वन परिसर
- **190 टन** आलू का इस वर्ष हुआ उत्पादन
- **105 टन** आलू का पिछले वर्ष हुआ उत्पादन
- **12 एकड़** में सभी तरह की सब्जियां लगाईं

राजयोगियों की मेहनत रंग लाई और आज यहां फसलें लहलहा रही हैं

हमारा उद्देश्य केवल खेती को ही आदर्श बनाना नहीं है, बल्कि लोगों का जीवन भी आदर्श बनाना है। हम खेत में काम करने वाले श्रमिकों को सहकर्मी की तरह व्यवहार करते हैं। सभी श्रमिक नशामुक्त हैं और राजयोग ध्यान करते हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने इस जमीन को बंजर बताया था। पानी में 3500-4200 टीडीएस की मात्रा होने से फसल उत्पादन के लिए मना किया था लेकिन राजयोगी भाईयों की मेहनत रंग लाई और आज यहां सभी सब्जी और अनाज की फसलें लहलहा रही हैं। इस वर्ष दस लाख की लागत में करीब 32 लाख रुपये कीमत का 190 टन आलू का उत्पादन हुआ है। किसानों के लिए आरोग्य वन को मॉडल के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

- राजयोगी ब्रह्माकुमार राजू भाई, संरक्षक, आरोग्य वन, (उपाध्यक्ष, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग) आबू रोड

पानी संरक्षण के लिए बनाया तालाब

आरोग्य वन परिसर में बारिश के पानी को रोकने के लिए तालाब का निर्माण किया गया है, ताकि बारिश का पानी जमीन में जाने से टीडीएस की मात्रा कम हो सके। इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। तालाब से जहां जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है, वहीं जमीन में पानी रिचार्ज होने से खारेपन में भी कमी आई है।

देशी बीज का कर रहे निर्माण

यहां नार्मल बीज को रीसाइकिल करके देशी बीज तैयार किया जा रहा है। इसका मकसद है कि आरोग्य वन में लगाई जाने वाली सब्जियों के बीज को स्वयं के स्तर पर तैयार किया जा सके। इससे बाजार से निर्भरता कम होगी और देशी बीज तैयार हो सकेगा।

यौगिक खेती पद्धति का भी किया प्रयोग

ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा विकसित की गई खेती की नई पद्धति यौगिक खेती का भी यहां प्रयोग किया जाता है। इसमें बीके भाई-बहनें सप्ताह में एक दिन खेत में या बगीचे में बैठकर राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से परमात्मा से शक्तिशाली किरणें लेकर फसलों को देते हैं। इससे यहां उत्पादित होने वाली सब्जियां और अनाज बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है।

आलू का बंपर उत्पादन

यहां पिछले 17 एकड़ में 105 टन आलू का उत्पादन हुआ था, वहीं इस वर्ष 190 टन आलू का बंपर उत्पादन हुआ है। यह सब गौकृपा अमृतम, जैविक खाद और राजयोग के प्रयोग से संभव हुआ है।

ये सब्जियां लगाई गईं

यहां मिर्च, मक्का, सूरजमुखी, ककड़ी, लौकी, सफेद पेठा, हरा पेठा, बैंगन, गाजर, पालक, धनिया, मैथी, तुरई, टिंडा आदि सब्जियों की फसल का मुख्य रुप से उत्पादन किया जा रहा है।

ब्रह्माकुमारीज़, पंथ और धर्म की सीमाओं से परे है: राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ब्रह्माकुमारी संस्था की वार्षिक योजना आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वच्छ और स्वस्थ समाज का किया राष्ट्रीय शुभारंभ

शिव आमंत्रण, भारत मंडपम, नई दिल्ली।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की वार्षिक योजना स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण का शुभारंभ प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में हुआ। शुभारंभ करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने कहा कि यह संस्थान वसुधैव कुटुंबकम् की महान आदर्श और सुदृढ़ आधार पर खड़ा है, जो कि पंथ और धर्मों की परिभाषाओं से सीमित नहीं है। वसुधैव कुटुंबकम की भावना के अनुरूप एक ईश्वर एक विश्व परिवार की चेतना को ब्रह्माकुमारी संस्थान ने पूरे विश्व में प्रसारित किया है। धार्मिक सद्भावना व मानवीय एकता पर आधारित ब्रह्माकुमारी संस्था की यह आध्यात्मिक चेतना व वार्षिक परियोजना एक स्वच्छ और स्वस्थ समाज की पुनः स्थापना में सफल होगी।

राष्ट्रपति ने महर्षि वेदव्यास के एक कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि मनुष्य परोपकार से जैसे पुण्य का भागी बनता है, वैसे दूसरों को कष्ट देने से पाप का भी भागी बनता है। ब्रह्माकुमारी संस्था आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा मनुष्यों में पनप रही नकारात्मकता तथा निराशा को सकारात्मकता एवं शुभ आशा में परिवर्तित कर व्यक्तिगत जीवन को सुखमय बनाने में सार्थक भूमिका निभा रही है।

आत्मा की शिक्षा है जरूरी

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि युवाओं में आध्यात्मिक जागृति और महिला सशक्तिकरण जैसे कार्यक्रमों से ब्रह्माकुमारीज़ ने अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्राथमिक शिक्षा में बच्चों के अंदर सादगी, सत्यनिष्ठा और सेवाभाव जागृत करना स्वस्थ पीढ़ी के निर्माण के लिए अनिवार्य है। शरीर की शिक्षा शरीर के व्यायाम द्वारा, बुद्धि की शिक्षा बुद्धि के व्यायाम द्वारा तथा आत्मा की शिक्षा आत्मा के व्यायाम द्वारा ही संभव है।

संकल्प, साधना और सिद्धि...

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहित गुप्ता ने संकल्प, साधना और सिद्धि विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयंती दीदी, अतिरिक्त महासचिव बीके ब्रजमोहन भाई ने भी प्रेरक वक्तव्य दिया। राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में वक्ता के रुप में एआईडब्ल्यूसी की अध्यक्षा कल्याणी राज, अधिवक्ता प्रियदर्शिनी राहुल, राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्षा रेखा शर्मा तथा कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रुपेन्द्र बरार थे। संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके सुदेश, महिला प्रभाग की अध्यक्षा बीके चक्रधारी, राष्ट्रीय संयोजिका डॉ. सविता बहन ने, बीके शारदा ने भी विचार व्यक्त किए। बीके बहनों ने मधुर गीतों की प्रस्तुति से समां बांध दिया।

शख्सियत... 11 साल की उम्र से नियमित कर रहे योगाभ्यास और प्राणायाम

28 साल से कैदियों को पढ़ा रहे मूल्यों का पाठ

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

19 नवंबर 1974 की बात है। मैं कृषि विभाग में कार्यरत था और छह माह की ट्रेनिंग के लिए हरियाणा सरकार की ओर से राजस्थान कोटा गया था। वहां मुझे ब्रह्माकुमारीज़ के बारे में पता चला। सेवाकेंद्र पर पहले दिन आत्मा-परमात्मा का परिचय मिला तो मेरी आंखें खुल गईं। पहली बार यह अनोखा ज्ञान सुना तो मन में जिज्ञासा हुई कि इसे गहराई से समझना है। राजयोग मेडिटेशन के कोर्स के तीसरे दिन ही मैंने प्याज- लहसुन और बाहर का भोजन छोड़ दिया। मेरी विचारधारा पूरी तरह से बदल गई। जिस सत्य ज्ञान की तलाश में मैं भटक रहा था वह पूरी हो गई। यह कहना है हरियाणा सोनीपत के 79 वर्षीय कृषि विभाग से रिटायर ज्वाइंट डायरेक्टर, आयुर्वेद रत्न डॉ. रामचंद्र रोहिला का। शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में आपने अपने जीवन से जुड़े अनेक अनुभव सांझा किए।

डॉ. रोहिला ने बताया कि कोर्स के बाद परमात्म महावाक्य (मुरली) सुनते हुए सफेद वस्त्र में कभी ब्रह्मा बाबा तो कभी श्रीकृष्ण और देवियों का साक्षात्कार होता था। इससे मेरी आस्था और बढ़ गई। क्योंकि मुझे जो साक्षात्कार हुआ, वहीं ज्ञान यहां मिला। मैं बचपन से ही परमात्मा की तलाश में था जो राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा से पूरी हो गई। जैसे ही मुझे परमात्मा का सत्य परिचय मिला तो उसी दिन से संयम का व्रत अपना लिया। मुझे बचपन से ही योगा का बहुत शौक रहा है और वर्ष 1956 से मात्र 11 वर्ष की आयु से ही नियमित योगाभ्यास, प्राणायाम कर रहा हूं। इसके अलावा गुरुकुल में भी बच्चों को योगा सिखाने के लिए जाता हूं। पिछले 47 साल से नियमित रूप से सुबह ब्रह्ममुहूर्त में तीन बजे दिनचर्या शुरू हो जाती है। उम्र के इस पड़ाव पर भी पूरी तरह से तंदुरुस्त हूं।

28 साल से बंदियों को पढ़ा रहे जीवन का पाठ

डॉ. रोहिला ने बताया कि पिछले 28 साल से जेल में बंद कैदी और बंदी भाई-बहनों को मूल्य और नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ा रहा हूं। साथ ही लोगों को राजयोग मेडिटेशन सिखाता हूं। आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग की शिक्षा से अब तक दर्जनों बंदियों का जीवन पूरी तरह से बदल गया है। कई बंदी तनाव, चिंता, डिप्रेशन से बाहर आए और खुशी-खुशी अपनी सजा पूरी कर रहे हैं।

2008 से वकालत में सक्रिय

नौकरी से रिटायर होने के बाद वर्ष 2003 से वकालत के पेशे में हूं। मेरा प्रयास रहता है कि निर्दोष लोगों को सजा नहीं मिले और वह बरी हो जाएं। साथ ही गरीब लोगों के लिए यथा संभव हर तरह से मदद करने का प्रयास रहता है।

इतनी उम्र में भी अपने कार्य खुद करता हूं...

79 साल की उम्र में भी मैं अपने कपड़े खुद धुलाई करता हूं। साथ ही अपने लिए भोजन भी खुद ही तैयार करता हूं। मेरे साथी वकील मुझे पत्नीव्रता कहते हैं। मेरा बचपन से प्रयास रहा है कि अपने कार्य स्वयं करूं।

चार बार राज्य सरकार ने किया सम्मानित...

परमात्मा का कमाल है कि मैं फसल का पौधा देखकर उसे कौन सी बीमारी लगी है बता देता हूं। यह देखकर मेरे साथी कृषि वैज्ञानिक भी अचंभित रह जाते थे। मेरे द्वारा सरकारी सेवा के दौरान बेहतर कार्य करने पर चार बार राज्य सरकार ने श्रेष्ठ कार्य के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया। मैं अनुशासन में बहुत सख्त रहा हूं और अपने ऑफिस में समय से पहले पहुंच जाता था। राजयोग मेडिटेशन का कमाल रहा कि मैंने बिना गुस्सा किए अपने दायित्व को पूरा किया। इससे मेरी अधिकारियों के सामने झिझक दूर हो गई। आत्म विश्वास और मनोबल बढ़ गया। पूरा जीवन अनुशासन के साथ व्यतीत किया है।

राजयोग का अभ्यास सभी के लिए बहुत जरूरी है...

डॉ. रोहिला का कहना है कि वर्तमान समय में राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास प्रत्येक व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी है। मेरे जीवन का अनुभव है कि जब से राजयोग का अभ्यास शुरू किया है तब से व्यक्तित्व में अनोखा परिवर्तन आ गया है। इसके बाद से जीवन में कठिन परिस्थितियां आईं लेकिन कभी मन विचलित नहीं हुआ। राजयोग से हमारे अंदर सामना करने और समाने की शक्ति का विकास हो जाता है।

6वीं दादी प्रकाशमणि माउंट आबू इंटरनेशनल हॉफ मैराथन 18 अगस्त को

शिव आमंत्रण, आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 17वें पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में 6वीं दादी प्रकाशमणि माउंट आबू इंटरनेशनल हॉफ मैराथन 18 अगस्त 2024 को आयोजित की जाएगी। कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने बताया कि दौड़ की शुरुआत मनमोहिनीवन परिसर से सुबह 5 बजे होगी, जो पांडव भवन माउंट आबू तक 21.9 किमी की रहेगी। प्रथम आने वाले प्रतिभागी को 51 हजार रुपये, द्वितीय को 41 हजार और तृतीय आने वाले प्रतिभागी को 31 हजार रुपये पुरस्कार के रूप में प्रदान किए जाएंगे। इसमें भाग लेने के लिए प्रतिभागी मो. 9414153346, 9414006915, 9414154660 पर संपर्क कर सकते हैं। बेवसाइट.. www.abumarathon.com पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

राजयोगी किड्स समर कार्निवाल

मैं हूं एंजिल, लकी, ग्रेट...

पारंपरिक वेषभूषा में बच्चों ने जीवंत किए पौराणिक चरित्र

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शांतिवन में आयोजित राजयोगी किड्स समर कार्निवाल में बच्चों ने हर एक विधा में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सबसे बड़ी बात एक साथ 1500 बच्चे होने के बाद भी इनमें गजब का अनुशासन और संयम देखने को मिला। पूरे कार्निवाल के दौरान बच्चों ने कॉम्पिटिशन से लेकर भोजन में वैल्यूज का ध्यान रखा। हर कोई इन बच्चों के नैतिक आचरण, व्यवहार और प्रतिभा से चकित हो गया। समापन पर कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों का सम्मान किया गया।

इस दौरान मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी ने कहा कि बच्चे मन के सच्चे होते हैं, इसलिए परमात्मा को प्यारे होते हैं। सच्चे मन वाले भगवान को भी पसंद होते हैं। जीवन में कितनी भी तरक्की कर लो लेकिन अपने जीवन में नैतिकता, सच्चाई, सफाई को कभी मत छोड़ना। रोज परमात्मा का ध्यान करना, इससे सदा आगे बढ़ते रहोगे। परमात्मा की मदद मिलेगी। जीवन सुख-शांतिमय रहेगा।

माता-पिता का करें सम्मान...

मुंबई से आए एक्टर विशाल जेठवा ने कहा कि बच्चे दयालु, जिज्ञासु और बुद्धिमान होते हैं। बच्चों जो काम करते हैं उस पर अपना पूरा फोकस करते हैं। साथ ही वह दिल से सुंदर होते हैं। यह वह गुण हैं जो हमें बच्चों से सीखना चाहिए। आप सभी ने जो मेडिटेशन सीखा है उसे लाइफ टाइम फॉलो करें। शरीर के लिए एक्सरसाइज और आत्मा के लिए ध्यान बहुत जरूरी है। सदा अपने माता-पिता का सम्मान करें। आपको जन्म देने वाले आपके माता-पिता धरती पर भगवान हैं। कभी भी सच्चाई का साथ नहीं छोड़ना है। यदि कभी आपसे कोई गलती हो जाए तो उसे अपने माता-पिता के साथ शेयर जरूर करें।

आपकी दिनचर्या हो आदर्श...

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी ने कहा कि आप सभी राजयोगी बच्चे हो। इसलिए आपकी दिनचर्या आदर्श हो। ऐसा बनना है कि आपको देखकर दूसरे बच्चे आपके आचरण को अपनाएं। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके स्वदेश दीदी ने कहा कि शुरुआत में इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय की नींव रखी गई थी तो संस्थापक ब्रह्मा बाबा ने बच्चों के लिए बोर्डिंग स्कूल खोला था। बाबा सबसे ज्यादा रोज बच्चों को याद करते हैं। आप सभी परमात्मा के सितारे हो, चैतन्य फूल हो, मीठे-मीठे बच्चे हो। आप सभी बच्चे भविष्य के भाग्यविधाता बच्चे हो। कार्यकारी सचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई ने कहा कि आप सभी बच्चों को देखकर बहुत खुशी हो रही है। यहां से जब जाएं तो जो बातें सिखाई गई है उन्हें अपने जीवन में धारण करें। इससे सफलता मिलती रहेगी।

बच्चों ने स्केटिंग, नृत्य, रस्साकशी, नींबू दौड़, बोरा दौड़ और लंबी कूद में दिखाए करतब

आपका जीवन उदाहरण स्वरूप हो...

मल्टीमीडिया निदेशक बीके करुणा भाई ने कहा कि आप सभी प्रिंस, प्रिंसेस हैं। आपका आचरण, व्यवहार दैवी-देवताओं की तरह हो। आप सभी की दिनचर्या और जीवन उदाहरण स्वरूप हो। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके शीलू दीदी ने कहा कि परमपिता शिव परमात्मा, आत्मा और परमात्मा का दिव्य ज्ञान इतने सरल और आसान तरीके से देते हैं कि बच्चे भी समझ सकते हैं। आप सभी विशेष हैं क्योंकि आप रोज राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करते हैं। आपको रोज भगवान गुड मार्निंग करते हैं। मधुरवाणी ग्रुप के कलाकारों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके शिविका बहन ने दिया। जागृति विद्या संबलपुर उड़ीसा से आई बालिकाओं ने सुंदर स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी।

भगवान को बना लें साथी...

बीके रितु बहन ने मैजिक ऑफ गॉड विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि अपने हर कर्म में भगवान को साथी बना लें फिर आप सभी को पढ़ाई बोरिंग नहीं लगेगी। पेपर हाल में जाते समय अपने साथ परमात्मा का आह्वान करें तो आपको पेपर का तनाव नहीं होगा। परीक्षा को भी एंजॉय करें। खुशी-खुशी पेपर देने जाएं। दिल्ली हरिनगर से आईं बीके नेहा बहन ने मुरली (सत्संग) क्लास कराई।

अपने कर्मों पर विशेष ध्यान दें

लंदन से आए प्रसिद्ध लेखक बीके नेविल भाई ने कहा कि आप सभी अपने जीवन का लक्ष्य बनाएं कि हमें अपना बेस्ट देना है। वरिष्ठ राजयोगी बीके बाबू भाई ने बच्चों को म्यूजिकल एक्सरसाइज कराई। इसमें उन्हें स्वस्थ रहने के लिए अलग-अलग आसान, प्राणायाम, जुंबा आदि के टिप्स सिखाए गए। वरिष्ठ राजयोगी बीके रुपेश भाई ने रोचक तरीके से मेडिटेशन करने के टिप्स बताए। जयपुर वैशाली नगर से आईं कुमारी पुनीता, देवयानी और गुरनूर ने पोप डांस की प्रस्तुति दी।

नींबू दौड़ में दिखी एकाग्रता-

तपोवन परिसर में आयोजित नींबू दौड़, रस्साकशी, लंबी कूद, कुर्सी दौड़, खो-खोप्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। स्केटिंग और नृत्य प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा दिखाई।

आर्थिक और सामाजिक-आध्यात्मिक विकास के लिए सिंधी समागम

सिंधी भाषा और बोली पर हमें फक्र करने की जरूरत है

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मनमोहिनीवन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में सिंधी सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देशभर से 500 से अधिक सिंधी समाजजन ने भाग लिया। मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के सभागार में पहुंचने पर सभी खुशी से झूम उठे। सिंधी समाज की ओर से दादी का स्वागत, सम्मान किया गया। आर्थिक और सामाजिक-आध्यात्मिक विकास के लिए सिंधी समागम विषय पर आयोजित सम्मेलन में संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके सुदेश दीदी ने कहा कि परमपिता परमात्मा हमें संदेश और शिक्षा देते हैं कि जब हमारा जीवन श्रेष्ठ बनेगा तो संस्कृति श्रेष्ठ बनेगी। परमात्मा हमें दैवी गुण सिखाने के लिए अपनी आत्मा की दिव्य संस्कृति को फिर से जागृत करने के लिए राजयोग की शिक्षा देते हैं। राजयोग के ज्ञान से हमारे अंदर पवित्रता, सभ्यता और श्रेष्ठ संस्कृति के लिए श्रेष्ठ संस्कार आते हैं। ज्ञान और योग से हमारी आत्मा सतोप्रधान बनती है।

उल्लासनगर की राजयोगिनी बीके सोम दीदी ने अपने जीवन का अनुभव सुनाया

संगीत संध्या और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सिंधी कलाकारों ने बांधा समां

अपने नकारात्मक संस्कारों को स्वाहा करना है- जयपुर सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके सुषमा दीदी ने कहा कि परमपिता शिव परमात्मा ने इस ईश्वरीय ज्ञान यज्ञ की स्थापना की है। इस यज्ञ में विकारों, नकारात्मक संस्कारों को स्वाहा करना है। मुंबई बोरीवली सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके दिव्यप्रभा दीदी ने गहन राजयोग की अनुभूति कराई। छत्तीसगढ़ सरकार संस्कृति विभाग के छत्तीसगढ़ सिंधी अकादमी के अध्यक्ष राम गिडलानी ने कहा कि सिंधी बोली और भाषा में आकर्षण है यही कारण है कि हम पूरे भारत में लोगों के दिलों में छा गए। हमारी युवा पीढ़ी को संभालने की जरूरत है। अहमदाबाद की बीके भारती बहन ने स्वागत किया। अहमदाबाद के विभाजन की जड़ें पुस्तक के लेखक मोहनलाल हसनंद मंदानी ने पुस्तक के बारे में बताया। अमरावती के कलाकारों ने समूह गीत पर प्रस्तुति दी।

रायपुर से आए शदाणी दरबार पीठाधीश्वर संत डॉ. युधिष्ठिर लाल महाराज ने कहा कि सिंधी समाजजन आर्थिक उन्नति भी करें और आध्यात्मिक उन्नति भी करें। साधना के लिए भी समय निकालते रहें। सिंध की भूमि सेवाभाव की भूमि है। धर्म के बिना धन बेकार है। जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार राजेश असनानी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक दादा लेखराज भी सिंधी थे, जिन्होंने विशाल सोच के साथ इस संस्था की नींव रखी। सभी दादियां भी सिंधी समाज से हैं। सिंधी समाज की भाषा, बोली पर हमें फक्र करने की जरूरत है। आज के युवाओं को सिंधी इतिहास पढ़ाने की जरूरत है। मैं बचपन में इस संस्था में आया था तब से यहां से मेरा गहरा जुड़ाव है। समाज को सिर्फ आध्यात्मिकता से ही बचा सकते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस : मान सरोवर में सेमीनार आयोजित

समाज के प्रति व्यक्ति को समझना होगा अपना दायित्व

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मानसरोवर परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल और ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वावधान में सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें देशभर से पधारे 750 से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प कराते हुए कपड़े के थैले वितरित किए गए।

कार्यशाला में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के रीजनल ऑफिसर अशोक कुमार जेलिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा। सभी को धरती मां के प्रति अपने दायित्व को समझना होगा। सिर्फ सरकारी विभाग के भरोसे रहकर पर्यावरण संरक्षण संभव नहीं है। हमारे छोटे-छोटे कदम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम होते हैं। जब समाज से प्रत्येक व्यक्ति जागरूक होगा तो पर्यावरण संरक्षण संभव हो सकेगा। विभाग द्वारा लोगों को जागरूक किया जाता है।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी तथा कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता गयासुद्दीन मंसूरी ने कहा कि सभी को मिलकर पर्यावरण के प्रति जागरूक रहना होगा। कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता रजत सोनी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके डॉ. सविता दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। पीआरओ बीके कोमल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा देशभर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं।

मनमोहिनीवन परिसर में चार दिवसीय राजयोग थॉट लैब ट्रेनिंग संपन्न

स्टूडेंट को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बताएं मेडिटेशन के फायदे

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शिक्षा प्रभाग द्वारा मनमोहिनीवन के ग्लोबल ऑडिटोरियम में राजयोग थॉट लैब की चार दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई। इसमें देशभर से ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े उच्च शिक्षित, प्रोफेसर, डॉक्टर युवा भाई-बहनें भाग ले रहे हैं। नेशनल को-ऑर्डिनेटर बीके सुप्रिया बहन ने कहा कि ट्रेनिंग के बाद आप कॉलेज और यूनिवर्सिटी में राजयोग थॉट लैब का सफल संचालन कर सकते हैं। साथ ही स्टूडेंट को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जीवन में अध्यात्म और राजयोग का महत्व बता सकते हैं। क्योंकि आज के युवा हर चीज को विज्ञान की कसौटी पर मापते हैं, इसलिए जरूरी है कि उन्हें मेडिटेशन के फायदे वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से बताए जाएं। जयपुर में थॉट लैब का संचालन कर रहे बीके मुकेश भाई ने ह्यूमन लाइब्रेरी विषय पर कहा कि हमारे मन में असीम संभावनाएं होती हैं। जरूरत है तो मन की शक्ति को कार्य में लगाने की। जब हम अपने लक्ष्य की ओर पहला कदम बढ़ाते हैं तो हमारा मन पूरी क्षमता के साथ उसे पूरा करने में लग जाता है। आप सभी कॉलेजों में स्टूडेंट को थॉट लैब में पढ़ाते समय ह्यूमन लाइब्रेरी का महत्व बताएं।

इस दौरान उन्होंने सभी से अपने पसंदीदा विषय पर बुक का टॉपिक और उसकी समरी लिखवाई। जयपुर से आईं थॉट लैब की काउंसलर बीके चित्रा बहन ने कहा कि विद्यार्थियों की काउंसलिंग करते समय इस बात का ध्यान रखें कि सबसे पहले उनकी समस्या को ध्यानपूर्वक सुनें।

मीडिया सम्मेलन का शुभारंभ जनजातीय क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा विभाग कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने किया।

समापन समारोह में मप्र की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कैबिनेट मंत्री संपत्तिया उईके ने भाग लिया।

मीडिया दिग्गज बोले- नई सामाजिक व्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टि और नैतिक मूल्य जरूरी

मीडिया सम्मेलन
नई सामाजिक व्यवस्था के लिए दृष्टि और मूल्य- मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजन

शिव आमंत्रण, माउंट आबू।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के ज्ञान सरोवर परिसर में मीडिया विंग द्वारा चार दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन एवं रिट्रीट आयोजित की गई। नई सामाजिक व्यवस्था के लिए दृष्टि और मूल्य- मीडिया की भूमिका विषय पर चल रहे सम्मेलन में चार सत्र और पांच मेडिटेशन सत्र आयोजित किए गए। देशभर से आए मीडिया गुरु, वरिष्ठ पत्रकार, प्रोफेसर, संपादकों ने विचार-विमर्श कर निष्कर्ष निकाला कि नई सामाजिक व्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टि और नैतिक मूल्य जरूरी हैं। आध्यात्मिक ज्ञान और मेडिटेशन नई व्यवस्था के निर्माण में सबसे जरूरी हैं। इसमें मीडिया को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी, तभी समाज सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगा।

समापन सत्र में मप्र की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कैबिनेट मंत्री संपत्तिया उईके ने मीडियाकर्मियों से आह्वान करते हुए कहा कि समाज में जो कुछ अच्छा कार्य हो रहा है, उन्हें प्राथमिकता से दिखाएंगे तो समाज में अच्छा माहौल बनेगा। जो लोग सामाजिक क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे हैं उन्हें आगे बढ़ाएंगे तो निश्चित रूप से परिवर्तन आएगा।

नारी सशक्तिकरण की मिसाल है

मंत्री उईके ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान नारी सशक्तिकरण की मिसाल है। संस्थान में नारी शक्ति को आगे रखा जाता है। यहां की बहनों का पवित्र प्रेम देखकर हृदय भाव-विभोर हो जाता है। नशा मुक्ति के क्षेत्र में भी संस्था सराहनीय कार्य कर रही है। ब्रह्माकुमारीज जैसी सामाजिक संस्थाओं के कार्यों को आज हमें बढ़ावा देने की जरूरत है, इससे ही समाज में अच्छाई का संदेश जाएगा। विदेश मंत्रालय में ओएसडी आईएफएस अधिकारी डॉ. सी. राजशेखर ने कहा कि यहां आकर बहुत खुशी हुई है। हमारे लिए बदलाव का एक मौका है। यहां जो ज्ञान दिया जा रहा है जो बातें बताई जा रही हैं, यदि हम इन्हें जीवन में धारण करेंगे तो निश्चित रूप से बदलाव आएगा। ब्रह्माकुमार भाई-बहनें लोगों में बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हम सभी को यहां से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

देशभर से आए पत्रकारिता के विद्वान बोले-

- भारतीय जनसंचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक और जाने माने मीडिया गुरु प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारिता किसके लिए, कैसी होनी चाहिए यह बात यहां ब्रह्माकुमारी में सिखाई जाती है।
- भागलपुर से आए इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कमलेश मीना ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ से राजयोग मेडिटेशन सीखकर मेरे अंदर बहुत बदलाव आए हैं।
- जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष हरि बल्लभ मेघवाल ने कहा कि पत्रकारिता में मूल्यों को बनाए रखने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ जैसी संस्थाओं की बहुत जरुरत है।
- पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय में भाषा एवं साहित्य विभाग के प्रो. व वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रदीप मलिक ने कहा कि सभी को मिलकर मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के लिए कदम बढ़ाने होंगे।
- महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के असिस्टेंट इंजीनियर डॉ. अमित कुमार विश्वास द्वारा लिखित भूमंडलीकरण मीडिया की आचार संहिता पुस्तक का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।
- इंदौर से आए रेडियो सरगम 90.8 एफएम के निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा कि सामाजिक व्यवस्थाओं के सकारात्मक परिवर्तन में मीडिया ने हमेशा से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ब्रह्माकुमारीज़ के माध्यम से परमपिता परमात्मा ने जो संदेश मानवता के लिए दिया था यदि उसे मीडिया जन-जन तक पहुंचाए तो निश्चित रूप से समाज में परिवर्तन आएगा।
- इंदौर से आए साधना समाचार के न्यूज एडिटर पंकज दीक्षित ने कहा कि पहले मीडिया को पवित्र बनना होगा, तब समाज में बदलाव आएगा।
- ग्वालियर के आईटीएम विश्वविद्यालय में जेएंडएमसी में विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष जैसवाल, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय मोहाली के एसोसिएट प्रो. डॉ. विनोद सोनी, दिल्ली विश्वविद्यालय के जेएंडएमसी विभाग के डॉ. अतुल गौतम ने भी अपने विचार व्यक्त किए।
- जोनल संयोजक बीके रंजन दीदी ने राजयोग के माध्यम से गहन शांति की अनुभूति कराई।

फिर से रामराज्य लाने में मीडिया की रहेगी महत्वपूर्ण भूमिका: मंत्री खराड़ी

शुभारंभ पर राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा विभाग कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा

कि आज नेता कुर्सी पाने के लिए और सत्ता में आने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। नेताओं का नैतिक स्तर का गिरना चिंता का विषय है। हम उस महान संस्कृति से आते हैं जहां भरत जैसे राजा हुए जिन्होंने 14 बरस अपने बड़े भाई श्रीराम के पैरो की खड़ाऊ रख कर शासन चलाया। आज लोग पैसे कमाने के लिए किसी भी स्तर पर जाने को तैयार हैं। फिर से राम राज्य आएगा इसे कोई रोक नहीं सकता है। इसमें मीडिया को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

मिलकर रामराज्य लाना है: शिवानी दीदी

अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने कहा कि हमें मिलकर रामराज्य लाना होगा। इसके लिए एक- एक को संकल्प करना होगा। हमारे संस्कारों से ही रामराज्य

और रावण राज्य बनता है। संस्कारों से संसार बनता है। यदि हमारे संस्कार दिव्य, पवित्र होंगे तो रामराज्य आएगा। हमें आग लगाने वाली नहीं आग बुझाने वाली चिड़िया बनना है। हमें समाज को नई दिशा देने वाला पत्रकार बनना है। हमें अपने संस्कारों को दिव्य बनाकर स्वर्णिम संसार लाना है। इसमें हर एक को अपनी सहभागिता निभानी है।

पत्रकारिता जवाबदारी का पेशा है

मल्टीमीडिया निदेशक बीके करुणा भाई ने कहा कि आपका पेशा जवाबदारी का है इसलिए आपका समाज के प्रति अधिक दायित्व है। जब स्वयं मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तो समाज के लिए बेहतर कर पाएंगे। राष्ट्रीय संयोजक डॉ. बीके शांतनु भाई ने एजेंडा पेश करते हुए कहा कि नई सामाजिक व्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टि और नैतिक मूल्य जरूरी है। इसमें मीडिया को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। वरिष्ठ पत्रकार बीके अवतार भाई, राष्ट्रीय संयोजिका बीके सरला आनंद बहन, राष्ट्रीय संयोजक बीके निकुंज भाई ने भी संबोधित किया।

टॉक शो आयोजित...

सम्मेलन में समापन सत्र में व्यावसायिक अनुशासन में आध्यात्मिक ज्ञान की आवश्यकता विषय पर टॉक शो का आयोजन किया गया। इसमें मुंबई की लोक सामना न्यूज की ऑल इंडिया ब्यूरो चीफ डॉ. दीप्ति जोशी ने कहा कि जीवन का कोई भी क्षेत्र हो आध्यात्मिक ज्ञान की जरूरत होती है। रुड़की के डिवाइन मिरर चैनल के संपादक डॉ. श्रीगोपाल नरसन, देहरादून के दैनिक श्रीमत एक्सप्रेस के संपादक डॉ. दीनदयाल मित्तल ने अपने विचार व्यक्त किए। पीआरओ बीके कोमल ने सफलतापूर्वक टॉक शो का संचालन किया और सभी को बांधे रखा।

इन्होंने भी व्यक्त किए विचार-

विंग के उपाध्यक्ष बीके आत्म प्रकाश भाई, मुंबई घाटकोपर सबजोन की निदेशिका डॉ. राजयोगिनी नलिनी दीदी, पूर्व कुलपति मानसिंह परमार, यूके से आए लेखक नेविले होड़ीगसन, मणिपाल यूनिवर्सिटी के सहायक रजिस्ट्रार डॉ. अमित वर्मा, इंडियन एसो. ऑफ प्रेस एंड मीडियामैन के अध्यक्ष पवन सहयोगी, देहरादून की शशि शर्मा, आगरा के लाइव स्टोरी टाइम्स के संपादक डॉ. भानु प्रताप सिंह, स्वर्णिम स्टार्टअप एंड इनोवेशन यूनिवर्सिटी गांधीनगर के प्रो. डॉ. शशिकांत भगत, ओम शांति मीडिया पत्रिका के संपादक डॉ. बीके गंगाधर ने भी संबोधित किया।

संपादकीय

योग के साथ राजयोग के समावेश से बदलेगा जीवन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरे विश्व में लाखों-करोड़ों लोग इस महाउत्सव के सहभागी बने। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा 140 देशों में योग और राजयोग कराया गया। परन्तु एक बात साबित होने लगी है कि अब लोगों का रुझान तेजी से योग और राजयोग की ओर बढ़ चला है। हर कोई अपने सेहत को लेकर फिक्रमंद है। परन्तु अभी एक फर्क जो है वह समझने की जरूरत है। वह है योग और राजयोग की भूमिका। योग बेशक जीवन को स्वस्थ रखने में अपनी भूमिका निभाता है। लेकिन मनोवस्था को स्वस्थ रखने के लिए अभी तक किसी के भी पास ठोस उपाय नहीं है। जो आध्यात्मिक और आंतरिक स्तर पर है जिसके जरिए व्यक्ति के अन्दर आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों का विकास हो सकता है। यह सब सम्भव हो सकता है तब जब उसके लिए व्यक्तिगत स्तर पर सकारात्मक सोच और विचारों का आदान-प्रदान किया जाए। प्रतिदिन सोच को ही अपने मन की खुराक बन जाए। इसके लिए प्रतिदिन आध्यात्मिक ज्ञान, ध्यान, सकारात्मक बातों का चिंतन, अच्छे लोगों का संग पर ध्यान दिया जाए। इसलिए योग के साथ दैनिक जीवन में राजयोग का समावेश जरूरी है। ब्रह्माकुमारीज़ से राजयोग ध्यान का प्रशिक्षण लेकर आज हजारों नहीं बल्कि लाखों लोग इस बात के गवाह हैं कि कैसे राजयोग मेडिटेशन से व्यक्ति की सोच से लेकर रहन-सहन, दिनचर्या और पूरा जीवन श्रेष्ठ और दिव्य बन जाता है। व्यक्ति नकारात्मक सोच और कार्यों से पूरी तरह से मुक्त हो जाता है। उसकी समाज में ख्याति बढ़ जाती है।

बोध कथा/जीवन की सीख

देने से होता है भाग्योदय

एक लकड़हारा था। वह जंगल से लकड़ियां काटता और गांव के बाजार में बेचकर अपना जीवन चला रहा था। उसे इस काम से सिर्फ इतना ही पैसा मिल पाता था कि वह थोड़े बहुत खाने की व्यवस्था कर सकता था। बहुत परेशानियों में उसका जीवन चल रहा था। इस वजह से वह बहुत दुखी रहता था। एक दिन लकड़हारे के गांव में एक विद्वान संत पहुंचे। संत के दर्शन करने और उनके प्रवचन सुनने के लिए लोग दूर-दूर से गांव पहुंच रहे थे। गरीब लकड़हारा भी संत से मिलने पहुंच गया। मौका मिलते ही गरीब व्यक्ति ने अपनी परेशानियां संत को बता दीं। उसने संत से कहा कि आप भगवान से पूछिए कि मेरे जीवन में इतनी परेशानियां क्यों हैं? संत ने उससे कहा कि ठीक हैं भगवान से प्रार्थना करूंगा। कुछ दिन बाद लकड़हारा संत के पास फिर से पहुंचा। संत ने उससे कहा कि भाई तुम्हारी किस्मत सिर्फ पांच बोरी अनाज ही है। इसीलिए भगवान तुम्हें थोड़ा-थोड़ा अन्न दे रहा है, ताकि तुम्हें जीवनभर खाना मिलता रहे। संत की बात सुनकर लकड़हारा घर लौट आया। कुछ दिन बाद वह फिर से संत के पास पहुंचा और बोला कि गुरुजी आप भगवान से कहो कि मुझे मेरी किस्मत का सारा अनाज एक साथ दे दे। कम से कम एक दिन मैं भरपेट भोजन करना चाहता हूं। संत ने कहा कि ठीक हैं मैं तुम्हारे लिए प्रार्थना करूंगा। अगले दिन उसके घर पांच बोरी अनाज पहुंच गई। उसने सोचा कि संत ने मेरे लिए प्रार्थना की है, इसीलिए भगवान ने मुझे इतना अनाज दे दिया है। उसने बहुत सारा खाना बनाया खुद खाया और गांव के गरीब लोगों को बांट दिया। सभी ने उसे दुआएं दीं। अगले दिन उसके घर फिर से पांच बोरी अनाज आ गया। उसने फिर ऐसा ही किया, खुद खाया और दूसरों को खाना खिला दिया। काफी दिनों तक ऐसा ही चलता रहा। फिर एक दिन वह संत के पास पहुंचा और पूरी बात बता दी। संत ने उससे कहा कि भाई तुमने अपनी किस्मत का अनाज दूसरों को खिला दिया तो तुम्हारे इस नेक काम से भगवान बहुत प्रसन्न हैं। इसीलिए वे तुम्हें अन्य जरूरतमंद लोगों की किस्मत का अनाज भी दे रहे हैं, ताकि तुम उन्हें भरपेट भोजन करा सको। संत की बात उसे समझ आ गई। इसके बाद उसने दूसरों को खाना खिलाने का सिलसिला जारी रखा।

संदेश: इस कथा की सीख यह है कि जो लोग दूसरों के दुख दूर करने के बारे में सोचते हैं। उनकी मदद भगवान भी करते हैं। इसीलिए दान-पुण्य करते रहना चाहिए। दान करने से हमारा जीवन भी बदल सकता है। हमें किसी की मदद करने, सहयोग करने में कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। इससे हमारा भाग्योदय होता है, लोगों की दुआएं मिलती हैं।

मेरी कलम से

मलखान सिंह लाम्बरा
(रिटायर पोस्ट मास्टर),
बराना, पानीपत, हरियाणा

जीवन में प्रत्यक्ष रूप में कई बार परमात्म मदद का अनुभव किया

28 साल से अमृतवेला 3 बजे शुरू हो जाती है दिनचर्या

मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं होने से एक दिन ऑफिस में निराश बैठा था, तभी श्वेत वस्त्रों में दिव्य आभामंडल से भरपूर एक नारी शक्ति ने पास आकर कहा- मलखान क्यों निराश होते हो, तुम परमात्मा के बच्चे हो, तुम्हें तो दूसरों को राह दिखाना है। अपने दिव्य कर्मों से जन-जन को राह दिखाना है, इसके बाद वह गायब हो गईं। 6 जून 1996 को पहली बार ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र गया। वहां देखा तो उन्हीं नारी शक्ति की फोटो लगी थी, जिनका साक्षात्कार मुझे हुआ था। वहां ब्रह्माकुमारी दीदी ने बताया कि आप ब्रह्माकुमारीज़ की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती हैं, जिन्हें प्यार से सभी मम्मा कहते थे। इसके बाद मुझे निश्चय हो गया कि जरूर जीवन में कुछ अच्छा होने वाला है। फिर मैंने सात दिन का राजयोग मेडिटेशन का कोर्स किया। कोर्स के दौरान ही मुझे सारे प्रश्नों के जवाब मिल गए। मैं बचपन से ही बहुत भक्ति करता था। लेकिन कुछ बातों को लेकर मेरे मन में जिज्ञासा बनी रहती थी। जब पहली बार माउंट आबू आया तो ब्रह्मा बाबा का फोटो देखकर बहुत रोया। मुझे इतनी खुशी थी जिसका कोई ठिकाना नहीं था।

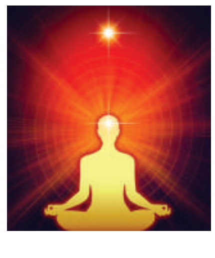

राजयोग मेडिटेशन के ज्ञान के बाद मेरी दिनचर्या और जीवन पूरी तरह से बदल गया। मेरे जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को देखकर लोगों का मेरे प्रति नजरिया बदल गया। आज जहां भी जाता हूं सभी सम्मान की दृष्टि से देखते हैं और बहुत आदर-सत्कार करते हैं।

हर पल यही प्रयास रहता है कि परमात्म ज्ञान से जैसे मेरा जीवन बदला है, वैसे दूसरे लोगों तक भी यह संदेश पहुंचा सकें। स्कूल में जाकर बच्चों को भी मूल्यनिष्ठ जीवन बनाने के लिए प्रेरित करता हूं। पिछले 28 साल से कभी भी मुरली क्लास (सत्संग) मिस नहीं हुई है। रोज सबेरे अमृतवेला बिना अलार्म के 3 से 3.15 बजे के बीच उठ जाता हूं। परमात्मा का कमाल है कि जीवन सुख-शांतिमय बन गया। समस्याएं सूली से कांटे के समान बनती गईं। अपने जीवन में प्रत्यक्ष रूप में कई बार परमात्म मदद का अनुभव किया है। 68 साल की उम्र में पूरी तरह से फिट हूं। हजारों लोगों को माउंट आबू लेकर आया हूं। जीवन में जो चाहा सबकुछ पाया है। मन खुशी से झूम उठता है वाह मेरा भाग्य, वाह मेरे बाबा, आपने मेरा जीवन बना दिया।

सेवा परोपकार द्वारा परमात्म दर्शन से राजयोग मौन

जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 71

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

आत्मा के स्वमान की स्मृति से अंतर्मन की चेतनता को अभिप्रेरित करके श्रेष्ठतम अवस्था में रूपांतरित करने के लिए भागीरथ पुरुषार्थ की पूर्णता आत्मिक परिष्कार का माध्यम बन जाती है। चेतना के वास्तविक स्वरुप की अनुभूति द्वारा साधक और साध्य के मध्य एकाकार भाव की परिणीति सुनिश्चित हो जाती है जो आत्मानुभूति के रूप में परिलक्षित होकर परमात्म दर्शन की उपलब्धिपूर्ण अवस्था का साक्षात्कार करती है। जीवन में धर्म-कर्म की व्यावहारिकता को संपन्न करने के पश्चात् ही आत्मिक शक्ति का पदार्पण अध्यात्म और पुरुषार्थ की दिशा में संभव होता है, जहां से आत्मा निजी स्वभाव अर्थात् राजयोग से मौन की श्रेष्ठता को नैसर्गिक रूप से स्वीकृत कर लेती है।

मानव सेवा द्वारा माधव सेवा: जीवन में आत्म ज्ञान की उच्चतम स्थिति के साथ, योगयुक्त अवस्था एवं धारणात्मक अनुसरण की परिवक्वता के पश्चात् ही सेवा का परोपकारी भाव व्यावहारिक जगत में श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र स्वरुप बनकर परहित के प्रति निस्वार्थ सेवा की सम्पूर्णता को प्रतिपादित करता है। संवेदनशीलता से सर्व आत्माओं के उत्थान की संकल्पना हृदय में पुष्पित और पल्लवित होती है जो जीवात्मा से जीवात्मा तक आत्मगत संतुष्टि के विविध आयाम से प्रवाहित होते हुए आत्मानंद का महत्वपूर्ण कारण बन जाती है। चेतना का नैसर्गिक स्वरुप अनंत गुणों से सुसज्जित होता है जो जीवन के आचार, विचार एवं व्यवहार में आत्मगत-स्वमान, स्वरुप एवं स्वभाव द्वारा निरंतर गतिशील रहकर मानव सेवा से माधव सेवा की परम सर्वोच्चता तक पहुंचने में सफल हो जाता है।

जीवन की विराटता में समभाव की दृष्टि से ही वसुधैव कुटुम्बकम की विशाल सृष्टि का अभ्युदय सृजित होता है और प्राणी जगत में जीव दया के सानिध्य में करुणा, सहानुभूति एवं आत्मिक प्रेम का संचरण सुनिश्चित हो जाता है। अंतःकरण में उत्पन्न समाजवाद, साम्यवाद एवं अध्यात्मवाद की सूक्ष्म अवधारणा जब प्रस्फुटित होती है तब सर्व आत्माओं से मधुर, जीवंत और आत्मिक संबंधों की गहन अनुभूति आपसी जुड़ाव, अपनत्व तथा सहयोग के आधारभूत मार्ग को प्रशस्त कर देती है।

सम्पूर्ण समर्पण से परमात्म दर्शन : स्वयं को सम्पूर्ण रूप से जानने के लिए जीवात्मा का सृष्टि पर आगमन एवं प्रस्थान होता है। आध्यात्मिक परिवेश के माध्यम से व्यक्ति आत्मदर्शन की प्रक्रिया में संलग्न होकर आत्मानुभूति की उच्चतम अवस्था को प्राप्त करता है। पुरुषार्थ की दिशा में अग्रसर होते हुए आत्मतत्व द्वारा मूल्यपरक सिद्धांत एवं व्यवहार को धारण करने की श्रेष्ठ स्थिति का अनुगमन करना होता है, जिससे आत्मिक गुणों एवं शक्तियों की बोधगम्यता सुनिश्चित हो जाती है। सम्पूर्ण समर्पण से मनुष्य जन्म की सार्थकता सर्वगुण सम्पन्नता के व्यापक परिदृश्य में सर्वोच्च स्वरुप की परिणिति के अंतर्गत स्थापित हो जाती है, जहां से आत्मानुभूति की यात्रा का शुभारंभ, परमात्म अनुभूति की ओर अभिमुखित हो जाता है। जीवन की नैसर्गिक क्रियाविधि में आत्मबोध द्वारा उपराम स्थिति का निर्माण जीवात्मा को कर्मातीत अवस्था प्राप्त करने में मददगार होता है, जिसमें प्रबल पुरुषार्थ का समावेश होते ही अव्यक्त स्वरुप में चेतना का परिणित होना उपलब्धि का आधार बन जाता है। अंतःकरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार आत्मा की भाग्यशाली अवस्था का परिणाम है जिसमें कर्मों की गहन गति भी निमित्त होकर कार्य करती है और जीवात्मा आत्मदर्शन की उच्चता से परमात्म दर्शन के परम सौभाग्य को प्राप्त करके देवात्मा स्वरुप में रूपांतरित हो जाती है।

राजयोग मौन में अव्यक्त स्वरुप

संस्कारगत परिवर्तन के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण से आत्मगत चेतना को उच्चतम स्थिति में स्थापित करने की मनोगत पृष्ठभूमि व्यक्तित्व को सम्पूर्ण रूप से विकसित करने में सदा सहायक होती है। आत्मा के स्वमान की स्मृति से अंतर्मन की चेतनता को अभिप्रेरित करके श्रेष्ठतम अवस्था में रूपांतरित करने हेतु भागीरथ पुरुषार्थ की पूर्णता आत्मिक परिष्कार का माध्यम बन जाती है। चेतना के वास्तविक स्वरुप की अनुभूति द्वारा साधक और साध्य के मध्य एकाकार भाव की परिणिति सुनिश्चित हो जाती है जो आत्मानुभूति के रूप में परिलक्षित होकर परमात्म दर्शन की उपलब्धिपूर्ण अवस्था का साक्षात्कार करती है। जीवन में धर्म एवं कर्म की व्यावहारिकता को संपन्न करने के पश्चात् ही आत्मिक शक्ति का पदार्पण अध्यात्म और पुरुषार्थ की दिशा में संभव होता है जहां से आत्मा निजी स्वभाव अर्थात् राजयोग से मौन की श्रेष्ठता को नैसर्गिक रूप से स्वीकृत कर लेती है। अव्यक्त स्वरुप में सदा स्थित रहने की स्थायी सम्बद्धता आत्म तत्व एवं परमात्म सत्ता के मंगल मिलन की पवित्रतम बेला होती है जिसमें गहन राजयोग की व्यापकता का दिव्य परिवेश सहज ही अभिव्यक्त हो जाता है ।

"जो मनुष्य अपनी निंदा सह लेता है, उसने मानो सारे जगत पर विजय प्राप्त कर ली।"

- महर्षि वेदव्यास

"ईश्वर ने संसार को कर्म प्रधान बना रखा है, इसमें जो मनुष्य जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है।"

- गोस्वामी तुलसीदास

न्यायविद प्रभाग की ओर से अखिल भारतीय न्यायविद सम्मेलन आयोजित

आध्यात्मिक सशक्तिकरण से होगा आंतरिक संवर्धन

शिव आमंत्रण, माउंट आबू।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के ज्ञान सरोवर परिसर में न्यायविद प्रभाग द्वारा अखिल भारतीय न्यायविद सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देशभर से न्यायमूर्ति, अधिवक्तागण और न्यायालयीन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया। सम्मेलन का विषय था आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा न्यायविदों का आंतरिक संवर्धन।

उड़ीसा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आरके पटनायक ने कहा कि मैं इस परिसर में आकर शब्द विहीन हो गया हूं। मैंने इस बात को बहुत करीब से अनुभव किया है कि जीवन में हर प्रकार की सफलता प्राप्ति के बावजूद ऐसे अनेक मौके आते हैं जब जीवन पूरा खाली-खाली लगता है। वैसे मौकों पर आध्यात्मिकता की शरण लेकर उस खालीपन को भर सकते हैं। न्यायविदों के और पूरी दुनिया के आंतरिक संवर्धन के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही एकमात्र मार्ग है। आध्यात्मिकता की शरण में आने पर सकारात्मक रूपांतरण की प्रक्रिया शुरू होती है। मैं महसूस कर रहा हूं कि मेरा रूपांतरण प्रारंभ हो चुका है। मैंने यह अभी महसूस किया है कि किसी अन्य को न्याय देना आसान है मगर स्वयं को न्याय देना काफी कठिन है।

अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि परमपिता परमात्मा सर्वोच्च न्यायमूर्ति हैं। आप सभी न्यायाधीश परमपिता परमात्मा के प्रतिनिधि हैं। इस दुनिया में आप लोगों के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेवारी है। आपको अनेक लोगों को न्याय प्रदान करना है। यह कोई आसान बात नहीं है. बल्कि इसमें बहुत बड़ी चुनौतियां हैं। हम सभी को अपने आंतरिक संवर्धन के लिए परमात्मा की शरण में आना ही पड़ता है। आत्मा के अंदर ईश्वरीय गुणों के समावेश से हम संसार को अंधकार से प्रकाश की ओर लेकर जा सकते हैं।

मैं एक आत्मा हूं : उड़ीसा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शशिकांत मिश्रा ने कहा कि आज मैं आप सभी आयोजकों की आंतरिक दिव्यता को नमन करता हूं। आंतरिक बदलाव से ही हम सभी का आध्यात्मिक उत्थान होगा। हम ऐसा भी कह सकते हैं कि आध्यात्मिक उत्थान से ही हमारा आंतरिक बदलाव आएगा। स्वयं को शरीर मानने और समझने से पापाचार होता है। मैं एक आत्मा हूं और मैं इस शरीर का संचालन करने वाला हूं, यह आध्यात्मिक भाव है। नकारात्मकता से सकारात्मक की ओर ले जाने के लिए यही भाव होना अनिवार्य है। परमानंद प्राप्ति का यही एक मार्ग है।

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी सुदेश दीदी ने कहा कि न्यायविद प्रकांड पंडित हैं, विद्वान हैं। अध्यात्म जब वास्तविक स्वरूप में हमारे अंदर स्थान लेता है तब हमारी चेतना जग जाती है। जगी हुई चेतना मूल्य से भरपूर होती है। अपने मन में परमपिता परमात्मा को स्थान देकर, उनके गुणों के निरंतर स्मरण से हम जीवन को दिव्य बना सकते हैं। न्यायविद प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी बीके पुष्पा दीदी ने कहा कि आज समाज में अध्यात्म लुप्त हो गया है। मानव मात्र को आध्यात्मिक सशक्तिकरण का हक है। एक सुंदर समाज के लिए सुखमय और शांत समाज के लिए सभी का आध्यात्मिक रूप से सशक्त होना अनिवार्य है। न्याय प्रदान करने वाली अथॉरिटी हमारे न्यायमूर्ति अपने आंतरिक संवर्धन से समाज को सकारात्मक दिशा दे सकेंगे।

स्वयं से संपर्क ही आध्यात्मिकता है-

उड़ीसा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आदित्य कुमार महापात्र ने कहा कि आध्यात्मिकता का मूल है गीता। स्वयं से संपर्क ही आध्यात्मिकता है। सकारात्मक बने रहना ही आध्यात्मिकता है। वर्तमान में रहना और नकारात्मकता से बचने का प्रयत्न करना, श्रेष्ठ आध्यात्मिकता है। आपने कहा हम न्यायविदों को प्रसन्नता होगी, जब ऐसा दिन आएगा, जहां न्यायमूर्तियों की कोर्ट की जरूरत ना रहे। तेलंगाना से पधारी न्यायमूर्ति सूर्यापल्ली नंदा ने कहा कि आंतरिक अध्यात्म से ही हम खुद को और संसार को शांति प्रदान कर पाएंगे। नेशनल कोऑर्डिनेटर बीके लता बहन ने ध्यान के अभ्यास द्वारा शांति की अनुभूति कराई। नेशनल कोऑर्डिनेटर डॉ. रश्मि ओझा , उपाध्यक्ष न्यायमूर्ति बीडी राठी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन मुख्यालय संयोजिका बीके श्रद्धा बहन ने किया।

साइंटिस्ट इंजीनियर, आर्किटेक्ट प्रभाग का सम्मेलन आयोजित

आत्मिक दृष्टिकोण से होगा नए युग का निर्माण

शिव आमंत्रण, माउंट आबू।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के ज्ञान सरोवर परिसर में साइंटिस्ट इंजीनियर, आर्किटेक्ट प्रभाग द्वारा नए युग के लिए नई दृष्टि विषय पर अखिल भारतीय सम्मेलन आयोजित किया गया। भारत सरकार नई दिल्ली के टीसीआईएल के सीएमडी संजीव कुमार ने कहा कि आज हमारा इमोशनल कनेक्ट, हमारा स्पिरिचुअल कनेक्ट बहुत-बहुत कम हो गया है। धार्मिक होने के लिए धार्मिक बने रहने के लिए और श्रेष्ठता को धारण करने के लिए हमें एक श्रेष्ठतम दृष्टि कोण आत्मिक दृष्टिकोण को अपनाना होगा। आत्मिक दृष्टिकोण के आधार पर ही हम अपनी आंतरिक भावनाओं को शुद्ध करके नए युग का निर्माण कर पाएंगे।

बड़ौदा से पधारे हुए आईओसीएल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राहुल भाई ने कहा कि प्रभाग दुनिया के कल्याण के लिए बहुत कुछ कर रहा है, इस बात की हमें खुशी है। सम्मेलन में आकर प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूं। हम अपनी आंतरिक प्रकृति और वाह्य प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने में विफल रहे हैं। अब यही वह आयाम है जब हमें अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ कर आध्यात्मिकता की मदद से स्व को श्रेष्ठ बनाकर विश्व को एक नया विश्व बनाना होगा।

विदेश में हजारों लोग अपना रहे यह शिक्षा- यूके से पधारे हुए ब्रदर नेविल हॉडकिंसन ने कहा कि मैं विगत 40 वर्षों से ब्रह्माकुमारीज की शिक्षाओं को धारण करने का प्रयत्न कर रहा हूं। विदेश में 100 से भी अधिक देशों में हजारों लोग इस शिक्षा को धारण करके अपने जीवन को सुखमय और शांतमय बना रहे हैं, बना चुके हैं। आध्यात्मिकता और राजयोग के अभ्यास से जीवन को श्रेष्ठ बनाना सुखमय बनाना संभव है।

अतिरिक्त महासचिव राजयोगी बृजमोहन भाई ने कहा कि यह ईश्वरीय विश्व विद्यालय पूरे ब्रह्मांड के इतिहास भूगोल की जानकारी हमें देता है। महत्वपूर्ण प्रश्न है कि संसार नया कैसे बनेगा? लोग प्रयत्न तो कर रहे हैं मगर उनको सफलता नहीं मिल रही है। हमारे पास एकमात्र शास्त्र है गीता जिसमें जिक्र है कि नई सृष्टि नए विश्व की स्थापना कैसे होगी। यह मनुष्यों का कार्य नहीं है। पुरानी दुनिया को नया बनाने का काम परमात्मा का है। आध्यात्मिक ज्ञान के आधार पर परमात्मा इस कांटों के जंगल को नई सतयुगी सृष्टि में परिवर्तित करते हैं। इसके लिए हमें अपना आत्मिक दृष्टिकोण लागू करना होगा। भौतिकवाद को त्यागकर आत्मिक दृष्टिकोण अपना कर हम यह कर पाएंगे।

राजयोग से ही सब संभव है- प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी बीके मोहन सिंघल ने कहा कि आज हमें जरूरत है कि मानसिक शक्ति द्वारा पदार्थ पर नियंत्रण प्राप्त कर सकें। राजयोग के अभ्यास के आधार पर ऐसा संभव है। सतयुगी संसार में देवी देवताएं पुष्पक विमान पर अपना पूर्ण नियंत्रण मानसिक शक्ति के आधार पर रखते रहे हैं.। वन अर्थ वन फैमिली की परिकल्पना भी तभी साकार होगी जब हम अपनी आंतरिक प्रकृति और इस वैश्विक प्रकृति का समायोजन सही तरीके से कर पाएंगे। हमें अपनी आंतरिक प्रकृति को इस बाहरी प्रकृति के साथ एकरूपता में लाना होगा। मनुष्यों को इस प्रकृति का पूरा-पूरा ख्याल रखना होगा। अपने आंतरिक स्वभाव को श्रेष्ठ बनाकर ही हम प्रकृति का संरक्षण कर पाएंगे।

आंतरिक प्रकृति अर्थात आंतरिक स्वभाव की श्रेष्ठता के लिए परमात्मा ने हमें आत्मिक ज्ञान दिया है और राजयोग का अभ्यास करवाया है। इस नए दृष्टिकोण को अपनाकर हम नया युग लाने में सफल होंगे। प्रभाग के नेशनल कोऑर्डिनेटर बीके भारत भूषण ने कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण हमें जीवन प्रदान करता है जबकि नकारात्मक दृष्टिकोण से हम इस कीमती जीवन को भी खो देते हैं। डॉ. बीके सविता बहन ने राजयोग का अभ्यास करवाया। दिल्ली से पधारे बीके पीयूष और बड़ौदा से पधारे बीके नरेंद्र ने संबोधित किया। मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी का संदेश भी सभा को पढ़कर सुनाया गया। संचालन बीके माधुरी बहन ने किया।

रायपुर, छग। ब्रह्माकुमारीज के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में विश्व पर्यावरण दिवस पर परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें वन विभाग के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रेम कुमार, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरूण कुमार पाण्डे और प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनिल साहू, संचालिका बीके सविता दीदी ने संबोधित किया।

ग्वालियर, मप्र। कंपू स्थित नेहरु उद्यान में प्रकृति की सुरक्षा एवं प्राकृतिक स्त्रोतों के संरक्षण का संकल्प लेकर जन जाग्रति के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौधारोपण कर सुरक्षा का संकल्प लिया। प्रभारी बीके आदर्श दीदी, बीके डॉ गुरचरण सिंह सहित संस्थान से जुड़े 300 से अधिक भाई-बहन मौजूद रहे।

इंदौर, मप्र। हमारी धरती, हमारा भविष्य विषय पर ज्ञान शिखर, ओम शांति भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें निगम के अपर आयुक्त अभय राजगांवकर, क्षेत्रीय निदेशिका बीके हेमलता दीदी, बीके अनीता दीदी, मां रेणुका फूड्स की डायरेक्टर, वैशाली मालवीय ने उपरोक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

जबलपुर, मप्र। शिव स्मृति भवन नेपियर टाउन सेवाकेंद्र पर पौधारोपण कर पर्यावरण दिवस मनाया गया। संचालिका भावना दीदी ने सभी को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प कराया। उप सेवाकेंद्र शिव शक्ति भवन द्वारा संचालिका बीके गीता के निर्देशन में ओजसम लिटिल-द स्मार्ट स्कूल में पौधारोपण किया गया।

पानीपत, हरियाणा। ज्ञान मानसरोवर में विश्व पर्यावरण जागृति समारोह आयोजित किया गया। इसमें बीके निर्मल बहन, बीके डॉ. अवतार भाई, निदेशक भारत भूषण ने अपने विचार व्यक्त किए। जागृति महोत्सव पानीपत में एक सप्ताह तक मनाया गया और विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया। संचालन बीके दिव्या बहन ने किया।

बीदर, कर्नाटक। पर्यावरण दिवस पर यदलापुर ग्राम में जैविक खेती करने वाले किसान हरीश सिंह और बहन अमृत कौर को सम्मानित किया गया। बीके सुमंगला बहन, बीके सुनंदा बहन, बीके पार्वती बहन, ग्राम पंचायत सदस्य श्रीनिवास रेड्डी, सेवानिवृत कृषि अधिकारी बाबू रेड्डी, समाजसेवी धुलप्पा बानोर मौजूद रहे।

पन्ना, मप्र। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रभारी बीके सीता दीदी के मार्गदर्शन में पन्ना जेल में जेल अधीक्षक आरपी मिश्रा के सहयोग से पौधारोपण किया गया। इस दौरान उन्हें पौधों का महत्व बताते हुए इसके संरक्षण पर जोर दिया और पौधारोपण का संकल्प कराया।

छतरपुर, मप्र। विश्वनाथ कॉलोनी द्वारा पेप्टिक टाउन में स्थित जेपी सिनेमा के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके रीमा बहन ने कहा कि सभी पौधारोपण करें और उसका पालन पोषण करें। बीके नम्रता बहन, बीके शिल्पा बहन, बीके नेहा बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

नरसिंहपुर, मप्र । ब्रह्माकुमारीज के डोभी नरसिंहपुर सेवाकेंद्र पर पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाल कलाकारों ने लघुनाटिका प्रस्तुत कर पर्यावरण का महत्व बताया। बीके साधना दीदी ने सभी को कम से कम एक पेड़ लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प कराया।

वृक्ष वंदन

ब्रह्माकुमारीज़ लगाएगी '20

आबू रोड(राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की अ की गई है। संस्थान की ओर से एक माह तक सघन प तहत माहभर तक आबू रोड शहर में पौधारोपण किया मानपुर टाउनशिप में पौधारोपण के साथ की गई। अभि जाएगा। कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने ब

राजगढ़, मप्र। सेवाकेंद्र में पर्यावरण संरक्षण परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें वन मंडल अधिकारी वेनिप्रसाद, कृषि उपसंचालक अधिकारी हरीश मालवीय, वैज्ञानिक लालसिंह, जिला प्रभारी बीके मधु दीदी, पत्रिका के ब्यूरो चीफ भानु ठाकुर, रिटायर एसडीओ प्रताप सिंह सिसोदिया ने अपने विचार व्यक्त किए।

पठानकोट, पंजाब। विष्णु नगर तपोवन में पौधारोपण किया गया। इस मौके पर केनरा बैंक मैनेजर गौरव कुमार, बीके नेहा दीदी, बीके सहमा कुमारी, सत्या अस्माकुमार प्रताप, अहगा कुमार विजय मुख्य रूप से मौजूद रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सामाजिक संदेश दिया।

छतरपुर, मप्र। नौगांव पुलिस थाने, ड्रीम वैली कॉलोनी एवं ग्राम धौररा में ब्रह्माकुमारीज द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया दिया गया। इस मौके पर बीके नीतू दीदी, बीके रीना दीदी ने सभी को एक-एक पौधा लगाने और संरक्षण का संकल्प कराया। पुलिस स्टाफ ने भी पौधारोपण किया।

नवसारी, गुजरात। विश्व पर्यावरण दिवस पर सेवाकेंद्र द्वारा जन जागृति के लिए रैली का आयोजन किया गया था। इससे लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया। साथ ही राजयोगिनी गीता बहन व अन्य भाई-बहनों ने पौधारोपण कर सुरक्षा का संकल्प लिया।

छतरपुर, मप्र। किशोर सागर सेवाकेंद्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी के नेतृत्व में भाई-बहनों ने श्रमदान कर विद्यालय प्रांगण के बगीचे में गुड़ाई की और पौधे रोपित किए। इस दौरान बीके नंदा बहन, बीके भारती बहन, बीके रेखा बहन, बीके कल्पना बहन सहित अन्य बहनें-भाई उपस्थित रहे।

इंदौर, मप्र। प्रेम नगर सेवाकेंद्र पर पर्यावरण की सुरक्षा से जीवन की रक्षा विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रो. डॉ. वेनु त्रिवेदी व्यास, पर्यावरणविद अक्षय नेमा, मुकेश गुप्ता, मैनेजर दीपिका राजपूत, सीईओ जितेंद्र संगतानी दुबई, प्रभारी बीके शशी दीदी, यशस्विनी दीदी ने विचार व्यक्त किए।

अभियान

। आबू रोड में

) हजार पौधे’

ोर से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नई पहल शुरू पौधारोपण वृक्ष वंदन अभियान चलाया जाएगा। इसके जाएगा। इसकी शुरुआत विश्व पर्यावरण दिवस पर यान उदयपुर की संस्था धरोहर के सहयोग से चलाया ाया कि 20 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

बैंगलुरु। वरदानी भवन, बसवनगुडी, वीवी पुरम सब जोन में विजया टीचर्स कॉलेज के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इसमें बीके अंबिका दीदी, सिस्टर सुजाता, सिस्टर छाया,विजया टीचर्स कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. मीना ने 'स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय पर विचार व्यक्त किए।

कुरुक्षेत्र, हरियाणा। विश्व पर्यावरण दिवस पर कुरुक्षेत्र सेवाकेंद्र पर पौधारोपण किया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सरोज दीदी ने कहा कि पौधे हमें जीवनभर देते हैं इसलिए हमारा भी फर्ज बनता है कि पौधारोपण कर उनकी रक्षा करें। सुखद भविष्य के लिए सभी को पेड़ लगाना बहुत जरूरी है।

अम्बिकापुर, छग। ब्रह्माकुमारीज द्वारा गोल्डी बगिया फॉर्म हाउस में पौधारोपण किया गया। सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका बीके विद्या दीदी ने पर्यावरण बचाने का आह्वान किया। गोल्डी बगिया फॉर्म हाउस के संचालक विकास अग्रवाल व अन्य भाई-बहनों ने मिलकर पौधारोपण किया।

मजलिस पार्क, दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गया। हठ योगा शिक्षिका मंजू मित्तल ने पर्यावरण का महत्व बताया। सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके राजकुमारी दीदी ने संकल्प कराया। इस मौके पर व्यापारी विजेन्द्र गर्ग, बीके शारदा दीदी, सतवीर भाई सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

सोनीपत, हरियाणा। सेक्टर-15 सेवाकेंद्र पर सेवाकेंद्र प्रभारी प्रमोद दीदी के नेतृत्व में भाई-बहनों ने पौधारोपण किया। इस मौके पर मेडिकल ऑफिसर संजय भाई, सुभाष सिसोदिया, शर्मिला बहन मुख्य रूप से मौजूद रहे। डॉ. सुखप्रीत कौर व टीम ने भाई-बहनों को फ्री चिकित्सका परामर्श दिया।

सादाबाद, उप्र। शिव शक्ति भवन सेवाकेंद्र पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसमें माताओं-बहनों ने पौधे लगाए। सेवाकेंद्र संचालिका बीके भावना दीदी ने सभी को संकल्प कराया कि हम आज जो पौधे लगा रहे हैं उनकी पालना भी करेंगे। बीके मिथलेश बहिन, बीके कमलेश बहिन भी मौजूद रहीं।

धड़गांव, महाराष्ट्र। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गया। इस दौरान बीके सरिता बहन ने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता बहुत जरूरी है। जब प्रत्येक व्यक्ति जागरूक होगा तो पर्यावरण संरक्षण संभव हो सकेगा। बीके रविंद्र भाई, बीके प्रताप, बीके मगन, बीके मुकुंद व अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

नरसिंहपुर, मप्र। विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर में पर्यावरण जागरुकता रैली निकाली गई। कृषि वैज्ञानिक विशाल मेश्राम, आशुतोष शर्मा, जिला संचालिका बीके कुसुम, बीके प्रीति दीदी, बीके मुकेश नेमा, टेक सिंह पटेल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही पौधारोपण कर संकल्प कराया गया।

गाड़रवाड़ा, खूंटी, झारखंड। उपसेवाकेंद्र तोरपा रोड में पर्यावरण दिवस मनाया गया। सेवाकेंद्र के सभी भाई-बहनों ने मिलकर प्रत्येक ने 10 पौधे लगाने का संकल्प किया। इस मौके पर एएसआई श्याम कुमार, फादर संदीप बारला, पतंजलि जिला प्रभारी उपेंद्र नारायण, प्रभारी बीके अंजिता बहन एवं अन्य मौजूद रहे।

उत्तप्रदेश से आए पांच हजार लोगों को कराया संकल्प

'हम संकल्प लेते हैं भारत को बनाएंगे व्यसनमुक्त'

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन परिसर स्थित डायमंड हॉल में चल रहे पांच दिवसीय आध्यात्मिक प्रवचन एवं राजयोग शिविर में उत्तप्रदेश से आए पांच हजार लोगों को सदा नशे से दूर रहने और समाज, देश को व्यसनमुक्त बनाने का संकल्प कराया गया। इसके साथ ही ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने समाज से व्यसन रूपी बुराई को दूर करने और भारत को संपूर्ण रीति व्यसनमुक्त-नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

डायमंड हाल में मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बीके बनारसी लाल ने लोगों को प्रतिज्ञा कराते हुए कहा कि आज समाज और देश में व्यसन रूपी बुराई घर-घर में व्याप्त हो गई है। यह देश के साथ-साथ परिवारों को खोखला कर रही है। इससे व्यक्ति स्वयं और परिवार बिखर रहे हैं। आज देश में ऐसे हजारों परिवार हैं जो नशे के कारण बर्बाद हो चुके हैं। परिवार में मुखिया यदि नशा करता है तो उसका असर पूरे परिवार पर पड़ता है। ऐसे में हम सभी का दायित्व बनता है कि समाज से इस व्यसन रूपी बुराई को जड़ से उखाड़ फेकें। डॉ. बनारसी लाल ने सभी को प्रतिज्ञा कराई कि हम संकल्प लेते हैं कि भारत को संपूर्ण रीति व्यसनमुक्त बनाएँगे। अपने घर के आसपास, पड़ोस में जो भी लोग नशा करते हैं, किसी तरह के व्यसनों का सेवन करते हैं उन्हें इसके दुष्परिणाम बताकर दूर रहने का संकल्प कराएंगे। अभियान को गति देने में अपने तन-मन-धन से संपूर्ण रीति सहयोग करेंगे।

भोपाल। ब्रह्माकुमारीज़ के क्षेत्रीय मुख्यालय राजयोग भवन ई-5 अरेरा कॉलोनी में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पशुपालन विभाग के उप संचालक भगवान दास मगनानी, बीके सूर्यमणि भाई और जोनल निदेशिका बीके अवधेश दीदी ने विचार व्यक्त किए।

नीलबड़ (भोपाल) मप्र। सुख-शांति भवन सेवाकेंद्र पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में महापौर मालती राय, डॉ. दिलीप नलगे, नोडल ऑफिसर डॉ. नीलिमा सोनी, निदेशिका बीके नीता दीदी ने संबोधित किया।

जबलपुर, मप्र। कटंगा कॉलोनी सेवाकेंद्र पर विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी बीके विमला दीदी, रानी दुर्गावती विवि के वाइस चांसलर राजेश वर्मा, डॉ. पुष्पराज पटेल, बीके विनीता बहन ने विचार व्यक्त किए।

इंदौर, मप्र। कालानी नगर सेवाकेंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस श्रमिक शेड पर आयोजित किया गया। इसमें एसीपी विवेक सिंह चौहान, बीके जयंती दीदी, बीके सुजाता दीदी ने संबोधित किया।

समाज सेवा प्रभाग : स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण विषय ट्रेनिंग आयोजित

ईश्वरीय सेवा व स्व पुरुषार्थ बढ़ाने के दिए टिप्स

शिव आमंत्रण, नगरकोट/काठमांडू, नेपाल

समाज सेवा प्रभाग द्वारा नेपाल के नगरकोट काठमांडू में ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित ज्ञान सरोवर एकेडमी में स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण विषय पर त्री दिवसीय ट्रेनिंग मीटिंग का आयोजन किया गया। इसमें देशभर से प्रभाग से जुड़े पदाधिकारियों व सदस्यों ने भाग लिया। नेपाल की निर्देशिका डॉ. राज दीदी ने आशीर्वचन दिए।

मोटिवेशनल स्पीकर प्रो. ईवी स्वामीनाथन और ईवी गिरीश भाई ने ट्रेनिंग में आए सभी भाई-बहनों और टीचर्स को ईश्वरीय सेवाएं बढ़ाने के साथ-साथ आध्यात्मिक जीवन को सहज, स्व पुरुषार्थ, श्रेष्ठ स्थिति बनाने के टिप्स बताए।

समाज सेवा प्रभाग की ओर से नेपाल में पहली बार विंग की सेवाओं को बढ़ाने के लिए नए सदस्यों का गठन कर राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके सभा अध्यक्ष ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग सेवाकेंद्र नेपाल की निर्देशिका डॉ. राज दीदी, समाज कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष नंदलाल माझी, महाराष्ट्र से पधारीं अतिरिक्त राष्ट्रीय संयोजक वंदना दीदी, माउंट आबू से पधारे मुख्यालय संयोजक वीरेंद्र भाई, नेपाल की सह निर्देशिका बीके किरण दीदी, उत्तराखंड से स्पोर्ट स्विंग के नेशनल कोऑर्डिनेटर मेहर चंद भाई, राष्ट्रीय संयोजक अर्जुन भाई, वरिष्ठ राजयोगी राम सिंह भाई, तिलक भाई, विनोद भाई चीन से आए ब्रिज भाई उपस्थित रहे। सोशल विंग के जोनल कोऑर्डिनेटर, रीजनल कोऑर्डिनेटर एवं प्रभाग के सदस्य और सीनियर टीचर्स उपस्थित रहीं। वीरेंद्र भाई ने विंग की सेवाएं बढ़ाने के लिए नवनिर्मित सदस्यों को प्रतिज्ञा करवाई । विंग की ओर से मोमेंटो, उपरना पहनाकर सम्मान किया।

शिव आमंत्रण, बेगमगंज, रायसेन, मप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान के अन्तर्गत ग्राम जसरथी, घना कला, बेगमगंज में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने अतिथि के रूप में भाग लिया। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रिचा दीदी ने सभी को संबोधित करते हुए जल संरक्षण का संकल्प कराया।

शिव आमंत्रण, जालंधर, पंजाब । यूथ विंग द्वारा स्कूल एवं कॉलेज की सेवा के लिए परीक्षा मित्र प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसे लेकर राजयोग शिक्षिकाओं एवं सहयोगी भाई-बहनों के लिए राजयोग भवन, आदर्श नगर, में एक दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित की गई।

शिव आमंत्रण, बिलासपुर, छग। शिव अनुराग भवन, राज किशोर नगर में चेतना अभियान के तहत यातायात की पाठशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बघेल, एसपी रजनेश सिंह ने दुर्घटनाओं-अपराधों को रोकने के सुझाव दिए। सरकण्डा थाना प्रभारी तोप सिंह नवरंग, सेवाकेंद्र संचालिका बीके मंजू दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, चंडीगढ़। उड़ान थीम के अंतर्गत, विद्यार्थियों की पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए सात दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। शुभारंभ रक्षा उत्पादन विभाग ओएफसी के जीएम दुष्यन्त कुमार, माउंट आबू से पधारे बीके आत्म प्रकाश और एसडी स्कूल की प्रिंसिपल मोनिका शर्मा, चंडीगढ़ की निदेशिका राजयोगिनी उत्तरा दीदी, बीके नेहा बहन ने बच्चों को मोटिवेट किया। इसमें 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

शिव आमंत्रण, जयपुर, राजस्थान। विद्याधर नगर में स्थित दाना शिवम अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। बनीपार्क सेवाकेंद्र प्रभारी बी.के. लक्ष्मी बहन ने कहा कि आप सभी के खुशहाल चेहरे और प्रोत्साहन भरे बोल रोगी की हीलिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बीके उमा बहन ने राजयोग मेडिटेशन से परमात्म अनुभूति कराई। बीके कुणाल, डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार ने नर्सिंग कर्मियों का सम्मान किया।

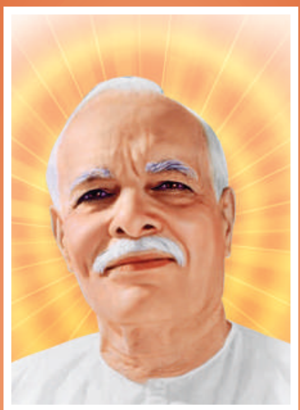

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

> भोले-भाले बटुक बाबा को देखते ही रह जाते और आख़िर उनकी आंखों से प्रेम के मोती बरस पड़ते...

रियल लाइफ

बचपन के दिन भुला न देना, आज हंसे कल रुला न देना...

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

आप जो आत्मा रूपी तारे हो, ज्ञान द्वारा अपना सौभाग्य ऊंचा बना रहे हो। अच्छा बच्चे, अब बैठो अपने अति प्रिय शिव बाबा की याद में! अशरीरी हो जाओ और बुद्धि को ले जाओ परमधाम में। बस, दिन-भर यही अभ्यास करते रहो ताकि अवस्था परिपक्व हो जाए। बस, यही धुन लगी रहे कि मैं आत्मा हूँ, परमधाम से इस सृष्टि- मंच पर पार्ट बजाने आई हूँ, अब यह सृष्टि-ड्रामा पूरा हुआ, अब मुझे वापस परमधाम जाना है।

चलो बच्चे, अब बुद्धि को ले जाओ शिव बाबा के पास। देखो, तुम बैठे तो फर्श पर हो, परन्तु तुम्हारी बुद्धि सदा अर्श पर (आकाश से भी परे) परमधाम में रहती है। संसार के लोग देह-अभिमानी हैं और ईश्वर को जहां-तहां सब में व्यापक मानते हैं। इसलिए उनकी बुद्धि भटकती रहती है। आपको लक्ष्य स्पष्ट रूप से मिला हुआ है, अब उसमें स्थित हो जाओ। बाबा के ऐसा बोलते-बोलते सभी वत्सों की आत्मा, शिव बाबा की याद में एकटिक हो जाती। ऐसा मालूम होता है कि शिव बाबा बहुत ही लाइट और माइट दे रहे हैं। जी करता है कि बस ऐसे ही बैठे रहें, यह सुख लूटते ही रहें। जाने पर सभी चुपचाप ही वहां से उठकर अपने-अपने स्थान पर चले जाते।

इस प्रकार दिन गुज़रते पता न चलता। आख़िर जिज्ञासुओं के विदा होने की घड़ी भी आ पहुंचती। बाबा-मम्मा हॉल में आकर बैठते। जाने वाली सारी पार्टी उनके सामने बैठतीं। एक-एक करके सभी बाबा-मम्मा के पास टोली लेते, मिलते और विदा होते। इधर रिकॉर्ड बज रहा होता- बचपन के दिन भुला न देना, आज हंसे कल रुला न देना।

बाबा कहते- सुन रहे हो, यह गीत क्या कह रहा है? अब आपको फिर से बचपन मिला है क्योंकि आप ईश्वरीय विद्या के विद्यार्थी हो। यह विद्यार्थी जीवन सबसे श्रेष्ठ हैं। गीत कहता है कि यह जीवन भुला न देना। ज्ञान लेते-लेते कहीं शिव बाबा को छोड़कर फिर माया की ओर न चले जाना, विकारों के गड्ढे में न गिर जाना।

विदा होने के समय का मार्मिक दृश्य...

ब्रह्माकुमारी शीलइन्द्रा जी ने लिखा है- सभी एक-एक करके बाबा और मम्मा से मिलते, बाबा उनकी निज़ी धारणाओं को ऊंचा उठाने के लिए कभी कानों में और कभी प्रत्यक्ष रूप से शिक्षा भी देते और सभी के मुख में टोली भी देते। फिर पीठ थपथपा कर कहते अच्छा बच्चे, जाते हो? तब सभी के नेत्र भीगे हुए होते। बड़ी आयु वाले जिज्ञासुओं की तो क्या कहें, छोटे-छोटे बच्चों की भी बाबा से ऐसी प्रीति जुट जाती थी कि जब वापस लौटने का समय आता तो वे जाने से इन्कार कर देते और इधर-उधर कहीं छिप जाते, ताकि उन्हें कोई ढूंढ़ न पाए और गाड़ी का समय निकल जाए। जब उन्हें ढूंढ लिया जाता और वापस घर चलने के लिए कहा जाता तो वे कहते कि हम तो यहां बाबा के पास रहेंगे। अब हम यहां से और कहीं नहीं जाएंगे।

बाबा के साथ उनका इतना स्नेह जुट जाता कि वे लौकिक माता-पिता की ममता और मोह से आकर्षित न होते। तभी तो प्रभु की स्मृति में यह पद है 'ओम् नमो शिवाय! तुम्हीं हो माता, तुम्हीं पिता हो, तुम्हीं हो बन्धु, सखा तुम्हीं हो... वे बच्चे बाबा का हाथ पकड़ लेते और कहते कि बाबा, हम तो नहीं जाएंगे। बाबा कहते- मीठे बच्चे, तुम तो हो ही बाबा के। बाबा तुम्हें अब सर्विस पर भेज रहे हैं। तुम जाकर दूसरे बच्चों को भी शिव बाबा का परिचय दो। तुम इन बड़ों से भी अधिक सर्विस कर सकते हो। देखना, क्रोध न करना, किसी से लड़ना नहीं। ऐसे दैवी चलन से चलना कि सभी कहें कि यह तो सचमुच ईश्वर का बच्चा है। फिर जल्दी-जल्दी तुम पण्डा बन कर आना। तुम तो हो ही 'महात्मा' और पवित्र क्योंकि ब्रह्मचारी हो। लोगों पर तुम अपना प्रभाव डाल कर उन्हें भी पावन बनने के लिए उत्साह दे सकते हो। इस प्रकार, बच्चे बाबा की ये उत्साहवर्द्धक बातें सुनकर अब जाने के लिए उन्हें 'न' भी न कर सकते परन्तु उन्हें वहां से लौटने का मन भी न होता। क्रमशः

प्रेरणापुंज

भगवान की शिक्षाएं ही हमारा शृंगार हैं, संग की संभाल करें

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

घोड़े को खाना ठीक खिलाओ, मालिश-पॉलिश अच्छी तरह से करो तो वह खड़ा हो जाता है, उसको शान है कि कौन मेरा मालिक है। अगर उसको ठीक खाना नहीं खिलाते हैं, उनकी पूरी सम्हाल नहीं करते हैं तो हैरान करता है। तो कइयों का मन रूपी घोड़ा परेशान होता है, क्योंकि प्यार से बैठकर उसकी मालिश नहीं की है। हम देखते हैं अगर मन को ठीक खुराक मिली तो वह कहना मानता है, इसलिए बाबा रोज-रोज सवेरे-सवेरे अच्छा भोजन खिला देते हैं फिर उसका मनन चिंतन करो, तो मन बलवान बन जाएगा। ध्यान रखो कि कोई भी फालतू बातें नहीं सुननी हैं, यह धन्धा मत करो। कोई सुनाए तो बाबा को बताओ ताकि उसकी आदत मिट जाए। खुद उसके संग में नहीं जाओ। ऐसों को अपना मित्र नहीं बनाओ। ऐसों को मित्र बनाना, उससे मिल जाना... इससे मन पर क्या प्रभाव पड़ेगा? इसलिए संग की बहुत सम्भाल करो। अगर बाबा की यह शिक्षा हम पालन नहीं करते हैं तो मन कभी शान्त, एकाग्र नहीं हो सकता, क्योंकि मन ने व्यर्थ की बातें स्वीकार कर ली न! मन ने मान ली न, अगर मान ली तो बस मन में वहीं बातें चलेंगी फिर औरों को वही सुनाएंगे।

राजयोगिनी दादी जानकी, पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू

हमने अपना जीवन बाबा के हवाले किया है। हम भाग्यवान हैं जो भगवान हमें पढ़ा रहा है और भगवान की शिक्षाएं ही हमारा शृंगार हैं। हमारी तो कोई शिकायत किसके लिए नहीं है। किसी को मेरे लिए हो तो हमको सुना दे, जगह-जगह नहीं सुनावे, मेरे को ही सुना दे, तो उसके लिए मन हल्का रखें। चलो सुनाई ठीक, स्वीकार कर ली। तो एक तो फालतू बात सुनें नहीं, देखें भी नहीं, चार आंखें दी हैं। दो आंख पीछे भी है, एक आंख आगे है। पीछे वाला जो देखा हुआ है, वह देखो ही नहीं। देख भी नहीं सकते हैं। बीत गया देखा हुआ है। जानते हैं परन्तु पीछे का देख नहीं सकते हैं। फिर यह दो आंखें भी बाबा ने चैंज कर दी है। नैनों में अच्छा जादू लगा दिया है। कोई की भी बुराई मत देखो, किसी के संस्कार मत देखो, किसके स्वभाव मत देखो। देखते हैं, सुनते हैं फिर बोलते हैं।

> भावना को चैंज नहीं करो तो जो शुद्ध संकल्प चलते हैं वह साकार हुए ही पड़े हैं। जिसमें सब खुश हैं, उसमें हम खुश हैं। जिसमें बड़े खुश हैं उसमें हम खुश।

हमारे बोल भी अर्थ सहित हों। किसी का भला करने वाले हों, प्राप्ति करने वाले हों। वह तब ही मुख से निकलेगा जब यह आंखें और कुछ देखने सुनने वाली नहीं हैं। देखती वहीं हैं जिसमें सबका भला है। मेरा भला तो सबका भला। हमारा भला किया है भगवान ने। अब भला यह है कि सबका भला हो। यह भावना हमारी मन के अंदर कभी न बदले तो मनोबल है। भावना चैंज होती है तो कहेंगे मेरी भावना बड़ी अच्छी है। पता नहीं इसको क्यों नहीं पहुंचती है, लेकिन उस भावना में सच्चाई नहीं है। कोई भी सुनी-सुनाई बात पर हमारी भावना चेंज न हो। बाबा हमारा कल्याणकारी है तो यह हमारा संस्कार बन रहा है कि बच्चे, तुम्हारी भी भावना विश्व कल्याणकारी हो।

अव्यक्त इशारे

अंदर में खुशी और नशा हो- 'भगवान हमारा साथी है'

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

सारे ज्ञान का सार तीन बार ओम शान्ति में आ जाता है। मुख्य है बाप, दादा और ड्रामा। ड्रामा का ज्ञान मुख्य है। ड्रामा को जानने से हम नॉलेजफुल बन जाते हैं। क्या थे, क्या हैं और क्या बन रहे हैं। कभी भी कोई दिलशिकस्त होता है तो ड्रामा उसे उत्साह में ले आता है। कितने बार हम कल्प में बाबा के बने। बाबा शब्द बोलते ही खुशी होती है। बाबा भी हम बच्चों को देख बहुत खुश होते हैं। हमारे जैसा भाग्य, हमारे जैसा ड्रामा में पार्ट कोई-कोई आत्मा का होता है। सारे दिन में कर्मयोग करते भी खुशी कम नहीं होती। भगवान ने हमें अपना बच्चा बना लिया, इससे बड़ा भाग्य क्या होगा? जो पाना था सो पा लिया। हमारा भाग्य कितना श्रेष्ठ है जो स्वयं भगवान ने हमें ढूंढ़ा है। अन्दर में खुशी और नशा हो भगवान हमारा साथी है। जब भी दिल में बाबा याद आता है तो दिल कहता है वाह बाबा वाह! हमें क्या से क्या बना दिया। बाबा बच्चों को हमेशा चेतन्य ठाकुर के रूप में देखते थे। जब भी कोई नया फल आता था तो सबसे पहले बच्चों को अपने हाथों से खिलाते थे। बाबा बच्चों को हमेशा बोलते कि आपका चेहरा खिले हुए गुलाब की तरह खुशमिज़ाज़ होना चाहिए। किसी का खुशमिजाज चेहरा देखेंगे तो अवश्य दिल में आएगा कि इनको कुछ मिला है। कोई गरीब होता है उसको अगर लॉटरी लग जाए तो उसका चेहरा कितना खुशमिजाज होगा।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

> जब भी दिल में बाबा याद आता है तो दिल कहता है वाह बाबा वाह! हमें क्या से क्या बना दिया।

हमें भगवान मिला है तो हमारा चेहरा भी सदा खिला हुआ हो। परमात्मा हमारा बाप, टीचर, सद् गुरु ये तीन संबंध मुख्य रूप से आवश्यक हैं। बाबा का बच्चों से इतना प्यार है। तीनों के पास अलग-अलग से जाने नहीं देता, बाबा एक में ही तीन है। पिता बनकर वर्सा देता है, शिक्षक बनकर शिक्षा देता है और सद् गुरु बनकर रोज हमें वरदान देता है। सारा दिन बुद्धि में याद रहना चाहिए कि आज बाबा ने मुझे क्या वरदान दिया। सारा दिन वरदान याद रखने से अवस्था सहज ही मजबूत हो जाएगी। इसको कहा जाता है बाप और बच्चे का सच्चे दिल का प्यार।

बाबा की पढ़ाई कितनी निराली है। पांच हजार वर्ष की सारी कहानी याद दिला देती है क्या थे, क्या बने हो और क्या बनेंगे। तीनों काल का बता देता है। ऐसा बाप कोई होगा जो रोज वरदान दे, रोज महावाक्य उच्चारण करे। लेकिन बाबा रोज गुड मॉर्निंग और रोज रात को गुड नाइट करने आते थे। बाबा अथाह ज्ञान का धन देते हैं जिससे 21 जन्म दुख-अशान्ति का नाम नहीं होगा। बाबा एक-एक बच्चे को 21 जन्म सुख की गैरन्टी देते हैं। बाबा कहते कि नशा रहना चाहिए कि तुम तीन तख्त के मालिक हो- एक भ्रकुटी तख्त, दूसरा बाबा का दिल तख्त और तीसरा भविष्य राज्य का तख्त। सवेरे आंख खुलते ही बाबा को गुड मॉर्निंग जरूर करें। रोज स्वमान की लिस्ट सामने रखो और सारा दिन एक स्वमान की स्मृति में रहो। रात को पूरे दिन का पोतामेल बाबा को देकर फिर सोना है। अगर गलती भी हो गई है तो बाबा से उसकी माफी ले लो।

परिवार में हंसी-खुशी के साथ रहें: डॉ. गुप्ता

प्रेरक कार्यक्रम: सौ स्कूलों के 1500 से अधिक डायरेक्टर, प्रिंसिपल और टीचर्स ने लिया भाग

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद, हरियाणा

ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्टर-21 डी एवं श्रीराम एजुकेशन सोसाइटी की ओर से अमृता हॉस्पिटल में सौ स्कूलों के डायरेक्टर, प्रिंसिपल व शिक्षकों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली से पधारे कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. मोहित गुप्ता ने कहा कि परिवार में प्यार की कमी के कारण आज हमारे संबंध बिखरते जा रहे हैं और हार्ट अटैक जैसी बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। हमें अपने परिवार में प्रेम हंसी-खुशी के साथ रहना चाहिए। एक-दूसरे का सहयोगी बनना चाहिए।
शिक्षा मंत्री सीमा तिरखा ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिकता का होना अति आवश्यक है। बच्चों के अंदर आध्यात्मिकता जागृत करना यह हमारी जिम्मेदारी है। क्योंकि बच्चों के अंदर नैतिक मूल्य की कमी होने के कारण उनके संस्कार और ही बिगड़ रहे हैं। श्री राम एजुकेशन सोसाइटी की डायरेक्टर डॉ. अमृता ज्योति ने कहा कि मेडिटेशन हमारे जीवन में अति महत्वपूर्ण विषय है। मेडिटेशन करने से हमारे अन्दर एकाग्रता की शक्ति, सहनशक्ति एवं अन्य शक्तियों का विकास होता है। अमृता हॉस्पिटल के डायरेक्टर स्वामी निजामृतानंद महाराज, एचपीएससी के स्टेट प्रेजिडेंट सुरेश चन्द्र, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके प्रीति दीदी, बीके ज्योति, बीके मधु, बीके रंजना बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में करीब 1500 डायरेक्टर, प्रिंसिपल टीचर्स सम्मिलित रहे।

500 मुस्लिम भाइयों को दिया नशामुक्ति का संदेश

शिव आमंत्रण, रानीखेत (अल्मोड़ा), उत्तराखंड

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी नशामुक्त भारत अभियान के तहत मोबाइल वैन के रानीखेत पहुंचने पर हल्द्वानी सेवाकेंद्र द्वारा शहर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें मोबाइल वैन के संयोजक बीके राजीव भाई ने जामा मस्जिद में जुम्मा की नमाज़ के बाग करीब 500 मुस्लिम भाइयों के लिए नशामुक्ति का संदेश दिया। इसमें मौलाना लाइक अहमद और अध्यक्ष इरफ़ान मोहम्मद विशेष रूप से मौजूद रहे।
बीके राजीव ने सभी को नशीले पदार्थों से होने वाले मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, आर्थिक और नैतिक विकृतियों से अवगत कराते हुए स्वयं की असीम सुषुप्त शक्तियों की ओर ध्यान खिंचवाया एवं राजयोग का अभ्यास करवाते हुए सामूहिक प्रतिज्ञा भी करवाई। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि यदि हरेक यह ठान ले कि मुझे इन जहरीले तत्वों से बचाना है तो अनेक सार्थक युक्तियां अपना कर खुद को, परिवार एवं समाज को इन नशीले पदार्थों से बचाकर देश का सच्चा सेवक बन सकता है। बीके नीलम बहन, बीके दीपा बहन, बीके विनीता बहन भी मौजूद रहीं।

उदयपुर में नौ दिवसीय अलविदा तनाव हैप्पीनेस प्रोग्राम आयोजित

खुद को स्वीकार करना सीखें, जैसा भी हूं, अच्छा हूं

शिव आमंत्रण, उदयपुर, राजस्थान

उदयपुर मोती मगरी स्कीम सेवाकेंद्र द्वारा मोती मगरी स्कीम पार्क में नौ दिवसीय 'अलविदा तनाव हैप्पीनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया। इसके पांचवें दिन परिवर्तन उत्सव मनाया गया।
इसमें मुख्य वक्ता बीके पूनम बहन ने कहा कि आत्मा शरीर धारण कर धरती पर आती है व दुनिया के रंगमंच पर अपना किरदार निभाती है। अधिकांश को यह नहीं पता होता है कि आत्मा का स्थाई निवास ब्रह्म लोक (जिसे शांतिधाम, मुक्तिधाम, परमधाम भी कहा जाता है) में होता है और अपने कर्मों के लेखा जोखा के अनुसार शरीर धारण कर भूलोक में जीवन व्यतीत कर पुनः ब्रह्म लोक में ही लौट जाती है। हमारे कर्मों के आधार पर हमें हमारा कुल, व्यवसाय, इष्ट मित्र आदि सब मिल तो गए अब हमारा कर्म क्षेत्र सुख दे इसके लिये तीन बातों को अंगीकार करना होगा।
प्रथमः स्वयं से प्यार करें। प्रायः लोग अपने किसी ना किसी ना किसी पहलू से नाखुश रह सदैव शिकायत करते रहते हैं जो उनके जीवन में आ रही समस्या का एक प्रमुख कारण बनता है। अतः सर्वप्रथम खुद को स्वीकार करना सीखो कि मैं जैसा भी हूं, सर्वश्रेष्ठ हूं, परमपिता परमात्मा की संतान होकर उनकी तरह ही महान होने की सारी काबीलियत रखता हूं। वर्तमान में मै इस सृष्टि रंगमंच पर एक महान कलाकार की भूमिका में हूं। कभी-कभी अच्छे कर्म करने के बाद कोई अन्य तारीफ करे ना करे आप स्वयं अपनी पीठ थपथपा लिया करें व अपने लिए ताली बजा लिया करें, ताकि आपका मनोबल बढ़ता जाएगा।
दूसराः देवता की तरह जीना अर्थात सदा देने का ही भाव रखें। ब्रह्माण्ड का यह नियम है कि जो तुम दूसरों कि दोगे व गुणात्मक होकर पुनः तुम्हारे पास लौटेगा। अतः खुशी चाहने वालों को प्यार, आदर, सम्मान, सहयोग देते रहना होगा।
तीसराः प्रायः लोग पूजा-पाठ धार्मिक स्थल जानकर इतिश्री कर लेते हैं जो पर्याप्त नहीं होता है। अपनी दिनचर्या में आध्यात्म को स्थान देकर ही आमूल चूल परिवर्तन होगा। इस दौरान नागरिकों ने अपनी दिनचर्या में प्रतिदिन एक घंटा आध्यात्म को देकर परिवर्तन लाने के संकल्प को दोहराते हुए दीप, मोमबत्ती जलाकर दीपोत्सव मनाया।
इस मौके पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुश्री गिरजा व्यास, विधायक ताराचंद जैन, पूर्व महापौर चंद्रसिंह कोठारी, शिक्षाविद प्रो. विमल शर्मा, प्रो. केपी तलेसरा, प्रो. रणजीत सिंह सोजतिया, प्रकाशचंद वर्डिया, शिव रतन तिवारी, योगी मनीष, डॉ. राजश्री वर्मा, सीए श्याम सिंघवी का ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। उदयपुर सेवाकेंद्र संचालिका बीके रीटा दीदी ने आशीर्वचन दिए। मीडिया प्रभारी प्रोफेसर विमल शर्मा का सम्मान किया गया।

शिव आमंत्रण, रांची, झारखंड। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर समर कैंप आयोजित किया गया। इसमें बच्चों को राजयोग मेडिटेशन, मूल्य शिक्षा के साथ अन्य क्रिएटिव एक्टीविटीज कराई गईं। कैंप का उद्घाटन संचालिका बीके निर्मला दीदी, बीके प्रदीप भाई, नरेंद्र पाल सिंह, कवलजीत कौर, एमपीएम कॉलेज की आचार्य अंजलि दास, समाजसेवी विभा सिंह और बीके इंदू ने दीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों ने सभी एक्टीविटीज में उत्साह के साथ भाग लिया।

शिव आमंत्रण, करनाल, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्टर-7 सेवाकेंद्र पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने भाग लिया। माउंट आबू से पधारे बीके प्रो. ओंकार चंद ने संबोधित किया। संचालन सेवाकेंद्र संचालिका बीके प्रेम दीदी ने किया।

शिव आमंत्रण, राजनांदगांव, छग। सेवाकेंद्र पर बच्चों के मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए 'संस्कारों की पाठशाला' समर कैंप आयोजित किया गया। शुभारंभ यातायात प्रभारी अजय कुमार खेस, सेवाकेंद्र संचालिका बीके पुष्पा बहन ने दीप प्रज्वलित कर किया।

शिव आमंत्रण, विराटनगर, नेपाल। महेंद्र मोरंग मल्टीपल कैंपस में रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष, युवा वैज्ञानिक व ट्रिपल पीएचडी डिग्री धारक राजयोगी प्रो. डॉ. बीके अजय भट्टाराई के त्रिभुवन विश्वविद्यालय में सेवा आयोग के सदस्य के रूप में निर्वाचित होने पर नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल (प्रचंड) ने सम्मान किया। बीके गीता बहन भी मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, झोझूकलां (हरियाणा)। धीर अस्पताल भिवानी द्वारा कलियाणा में आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर के उद्घाटन के पश्चात ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए डॉ. हरिओम निगम, सरपंच हरिदास आदि।

ज्ञान सरोवर में राष्ट्रीय युवा सम्मेलन आयोजित

अपनी चेतना को जागृत करें युवाः देसाई

शिव आमंत्रण, माउंट आबू, राज.

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के ज्ञान सरोवर अकादमी में युवा प्रभाग का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देशभर से युवाओं ने भाग लिया। अहमदाबाद से आये इसरो के डायरेक्टर नीलेश देसाई ने कहा कि युवा अपनी चेतना को समुचित रूप से जागृत कर लें तो राष्ट्र उत्थान में कोई देरी नहीं लगेगी। चरित्र रूपी संपत्ति से धनवान युवा ही देश को नई राह पर ले जाने में सक्षम हैं। भारत देश देव व महापुरूषों की भूमि रहा है, जिसने विश्व के आगे त्याग, चरित्र व अनुशासन की मिसाल कायम की है। ऐसे युवाओं को जागरूक होकर समाज उत्थान के लिए आगे आने की जरूरत है।

युवा प्रभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा बीके चंद्रिका दीदी ने कहा कि युवाओं में कुशल नेतृत्व की क्षमता की विलक्षण संभावनाएं होती हैं, लेकिन उस क्षमता को सही डगर पर उपयोग में लाने के लिए अध्यात्म अचूक औषधि है। राष्ट्रीय संयोजिका बीके कृति बहन ने कहा कि लोकहित में तत्पर रहने वाले त्यागी व तपस्वी युवा ही देश के सच्चे सेवक हैं। भारत के युवाओं के आगे प्रेरणादायी आदर्शों की कमी नहीं है। उन आदर्शों का अनुसरण करने में प्राथमिकता देनी चाहिए।

दिल्ली से पधारे डॉ. मोहित गुप्ता ने अपने जीवन से जुड़ा परिवर्तनकारी अनुभव सुनाया। प्रभाग के अधिशासी सदस्य जितेंद्र जावाले ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में आ रही चुनौतियों से निपटने को आत्मिक ऊर्जा को बढ़ाने की जरूरत है। जिसके लिए अपने मन को सकारात्मक सोच के लिए राजयोग के माध्यम से सशक्त करने की जरूरत है। बीके रूपेश भाई ने कहा कि अध्यात्म के अभाव में कोई भी कार्य का नेतृत्व शत-प्रतिशत सफल नहीं होता। अध्यात्म संघर्षमय परिस्थितियों में भी मन को सही दिशा देने के लिए सक्षम है। बीके वीरेंद्र, बीके गीता बहन, बीके जीतू भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

बिजावर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर समर कैंप आयोजित किया गया। इसमें जिला एवं सत्र न्यायाधीश बिजावर मीनल श्रीवास्तव, प्रो. राघवेंद्र सर, बीके प्रीति बहन ने बच्चों को मोटिवेट किया।

रतलाम, मप्र। डोंगरे नगर स्थित दिव्य दर्शन भवन सेवाकेंद्र में तीन दिवसीय संपूर्ण स्वास्थ्य शिविर कर लो स्वास्थ्य मुट्ठी में आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. दिलीप नलगे ने मार्गदर्शन दिया।

जम्मू। सीआरपीएफ बनतालाब के रेहबलिटेशन सेण्टर के हॉस्पिटल में चार दिनी राजयोग मेडिटेशन कोर्स का आयोजन किया गया। इंचार्ज बीके कुसुम बहन, बीके रविंदर भाई, बीके कुसुम बहन ने जवानों को खुशनुमा जीवन जीने की कला और राजयोग की विधि सिखाई।

बैतूल, मप्र। भाग्यविधाता भवन सेवाकेंद्र पर भोपाल जोन की अकाउंट ट्रेनिंग आयोजित की गई। सांसद डीडी उइके, संचालिका बीके मंजू बहन ने शुभारंभ किया। बीके दीपेंद्र भाई, बीके ज्योति, बीके तरुण ने भाई-बहनों को अकाउंट से जुड़ी बारीकियां बताईं।

सिंगरौली : समर्पिता महिला समिति ने लिया भाग

सुखी जीवन के लिए परिवार परामर्श कार्यशाला आयोजित

शिव आमंत्रण, सिंगरौली, मप्र।

सिंगरौली नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जयंत क्षेत्र की समर्पिता महिला समिति द्वारा आवासीय परिसर में स्थित अधिकारी मनोरंजन केंद्र में परिवार परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें ब्रह्माकुमारीज संस्था की ग्वालियर संटर इंचार्ज बीके ज्योति बहन ने महिलाओं एवं उनके परिवारजनों को कार्य जीवन संतुलन, चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण तथा पारिवारिक मूल्यों के संबंध में विस्तार से बताया गया। साथ ही उनके द्वारा उपस्थित लोगों को योग व ध्यान के अलग-अलग तरीकों को भी सिखाया गया।

विंध्यनगर सेंटर की इंचार्ज बीके शोभा बहन ने सभी को राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया। साथ ही सभी को राजयोग के अभ्यास से गहन शांति की अनुभूति कराई।

कार्यशाला समिति की अध्यक्षा ममता पाण्डेय के मार्गदर्शन में महिला कर्मियों एवं समीपवर्ती ग्रामीण महिलाओं तथा उनके परिवारजन के लिए आयोजित की गई। बता दें कि समर्पिता महिला समिति द्वारा आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं की समस्याओं के निदान एवं उनके सशक्तिकरण के लिए समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

समस्या- समाधान

हे! साधक जागो, यह वक्त जा रहा है...

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

- राजयोगी बीके सूरज भाई, माउंट आबू

समय को संग्रह करने की विधि-कहते हैं समय शक्तिशाली और बहुमूल्य घटक है आखिर समय इतना बहुमूल्य क्यों है ? तीन विशेषताओं के कारण समय को बलवान माना जाता है।

अन्य सभी खजानो को संग्रह या संचित करके रख सकते हैं ताकि आवश्यकता अनुसार उपयोग कर सकें, जैसे कि धन, धान्य, जल, ज्ञान, गुण आदि को। परंतु समय को संग्रह करना कल्पनातीत है।

अन्य सर्व खजाने सृजनात्मक हैं। नष्ट हुई चीज को फिर से निर्माण कर सकते हैं लेकिन बीते हुए समय का फिर से सृजन असंभव है जो क्षण बिता वह सदा काल के लिए नष्ट हो गया। समय को रोक नहीं सकते हैं। कुछ अनहोनी हो रही है, सोचेंगे, समय को रोक ले लेकिन असाध्य है। इसीलिए इसको निरंतर कालचक्र कहते हैं और सभी इसी को नमन करते हैं। महापुरुषों ने समय के बारे में विविध रीति से अपने उद्गार व्यक्त किए हैं जैसे, जीवन माना ही समय, अगर समय को नष्ट कर रहे हैं तो समझो जीवन को नष्ट कर रहे हैं।

एक प्रसिद्ध दार्शनिक ने कहा है कि विश्व में किसी को भी हम जीत सकते हैं लेकिन समय को नहीं। परंतु स्वयं परमात्मा ने समय को भी संग्रह करने की विधि सिखाई है। लोग समझते हैं कि धन चंचल है, कितना भी कमाओ, हाथ में ठहरता ही नहीं । इसीलिए दूरान्देशी लोग उस पैसे से सोना खरीद कर रख देते हैं अर्थात् धन को सोने में परिवर्तन करते हैं। जब कोई आपत्ति आती है ऐसा समय आता है जहां अपार धन राशि की जरूरत पड़ती है तब फिर से उस सोने को धन में परिवर्तन कर समस्या का समाधान कर देते हैं। वैसे ही, परमपिता परमात्मा ने समय को पुण्य में परिवर्तन करने की एक अनोखी विधि सिखाई है। सृष्टि नाटक का नियम है कि जैसी करनी वैसी भरनी। सुकर्म ही प्रारब्ध है सुख, शांति, संपत्ति और विकर्म या पाप का फल है दुख, अशांति,अभाव। पुण्य अर्थात् सुकर्म का फल। जिस समय हम सुकर्म करते हैं उस समय हमारा पुण्य संग्रह होता है अर्थात् समय पुण्य में परिवर्तित हो जाता है जितना अधिक सुकर्म उतना ही अधिक पुण्य का संग्रह।

सफल योगी होते साक्षी दृष्टा

जिनको महान योगी बनना हो उन्हें साक्षी दृष्टा हो जाना चाहिए। कौन क्या कर रहा है, बिल्कुल सरल शब्दों में हर व्यक्ति जो कुछ कर रहा है। वह तो उसे करना ही है ना। प्रोग्राम है उसे करने का। बिना प्रोग्राम के कोई कुछ नहीं कर रहा है। हम क्या विशेष करते हैं। कोई कहे क्यों करते हैं, यह तो प्रोग्राम था। आप सुनने आ गए, कोई ऐसे ही कहने लगे क्यों सुनने आ गए यहां। हर चीज प्रोग्राम अनुसार चल रही है ना। हर आत्मा को भी तो प्रोग्राम मिला हुआ है। ऐसे सिम्पल लैग्वेंज दे दें इसे जो व्यक्ति दूसरों के बारे में सोच रहा है। उसे अपने बारे में सोचने का तो अवसर ही नहीं मिलता। जो दूसरों को देख रहा है, वह अपने को देखना भूल जाते हैं।

इस संग्रहित पुण्य के बल से भविष्य में पुनः सुहावना या अनुकूल समय मिल जाता है। इससे हमारे संकल्पों की धारा शीतल रहती है, बुद्धि की तर्कशक्ति यथार्थ रहती है, सुख देने माशूक लेने का संस्कार सहज और व्यक्त रूप में दिखाई देता है, साथ-साथ संकटों से सहज ही छुटकारा मिल जाता है। तब कहा जाता है, समय साथ दे रहा है या समय पर जीत पायी है। अगर समय पाप के रूप में संग्रहित हुआ है तो भविष्य में वह प्रतिकूलता में बदल जाएगा जिसका परिणाम दुख, दर्द से भरा होगा।

हर पल को श्रीमत् अनुसार पुण्य में परिवर्तित करें...

वर्तमान समय सर्व आत्माओं के पिता परमात्मा शिव स्वयं इस धरती पर अवतरित हुए हैं और ऐसी एक विशेष प्रणाली जारी की है जो वर्तमान का एक गुना पुण्य, 21 जन्म के सुहावने समय में परिवर्तित हो जाये। जब हम ईश्वरीय श्रीमत् के अनुसार काम, क्रोधादि विकारों से युक्त आत्माओं को ईश्वरीय ज्ञान का दान देकर उन विकारों से छुड़ाते हैं, तो यह है सच्चा पुण्य। आत्माओं को उनके पिता परमात्मा का परिचय देना, परमात्मा की याद में रहना और दूसरों को भी उनकी याद दिलवाना, यह है सृष्टि चक्र का सबसे महा पुण्य जिससे 21 जन्मों तक समय हमें साथ देता है। जैसे एक-एक सीढ़ी चढ़कर मंजिल पर पहुंचना आसान है वैसे, अब के (वर्तमान) एक-एक सेकंड को सफल करते हुए आगे बढ़ना ही जीवन को सफल बनाने की विधि है। आपने घड़ी की टिक टिक आवाज को ध्यान से सुना है ? घड़ी की एक-एक टिक-टिक के साथ एक-एक श्वांस हमारी आयु से कम होता जा रहा है । यह आवाज केवल पुकार ही नहीं बल्कि हमारे लिए एक सख्त चेतावनी भी है कि हे साधक जागो, यह वक्त जा रहा है, इसको सफल करो। इसीलिए हर पल भगवान की श्रीमत् अनुसार चल हर समय को पुण्य में परिवर्तित करेंगे ताकि कल्प के पूरे 5000 साल वह पुण्य, समय में बदलकर हमें साथ देता रहे ।

सार्वभौमिक संस्कृति, प्रेम, शांति, सद्भाव समारोह का शुभारंभ

ब्रह्माकुमारीज़ मणिपुर में राहत शिविरों में लोगों को शांति, प्रेम, सद्भाव का संदेश पहुंचाए: राज्यपाल उइके

शिव आमंत्रण, इंफाल, मणिपुर। ब्रह्माकुमारीज़ के कला और संस्कृति विंग (आरईआरएफ) द्वारा राजभवन के बैंक्वेट हॉल में 'प्रेम शांति सद्भाव' विषय पर सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके ने सार्वभौमिक संस्कृति, प्रेम, शांति, सद्भाव समारोह का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया। इस दौरान कलाकारों ने रास लीला, ढोल चोलोम, पुंग चोलोम और खंबा-थोइबी नृत्य प्रस्तुत किया।

राज्यपाल उइके ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा इस महत्वपूर्ण मोड़ पर 'प्रेम, शांति सद्भाव' थीम पर सार्वभौमिक संस्कृति कार्यक्रम शुरू करने के लिए किए गए अथक प्रयासों की सराहना की। खासतौर पर मणिपुर में, जिसका एकमात्र उद्देश्य राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करना है। उन्होंने कहा कि यह थीम राज्य के मौजूदा संदर्भ के लिए उपयुक्त है क्योंकि ऐसे अवसर लोगों में एकता और शांति का संदेश देंगे। जबकि ध्यान के माध्यम से ब्रह्माकुमारीज़ की गतिविधियों और शांति के प्रवर्तक होने की सराहना करते हुए राज्यपाल ने ब्रह्माकुमारीज से आग्रह किया कि वे राहत शिविरों में विस्थापित लोगों तक पहुंचे और उनके लिए ध्यान कक्षाएं आयोजित करें। क्योंकि मानसिक शांति उनके लिए समय की मांग है और इससे मानसिक पीड़ा और कष्टों को कम करने में सहायता मिलेगी।

मूल्य शिक्षा विंग के निदेशक प्रो. डॉ. बीके पांडियामणि, कला एवं संस्कृति प्रभाग की अध्यक्षा बीके चंद्रिका दीदी, शिक्षा विंग की राष्ट्रीय समन्वयक बीके सुमन बहन, फिल्म फोरम मणिपुर के अध्यक्ष लाइमायुम सुरजकांत और ब्रह्माकुमारीज़ मणिपुर की प्रभारी बीके नीलिमा बहन भी विशेष रूप से मौजूद रहीं।

सद्भावना सभागृह का शिलान्यास

शिव आमंत्रण, संबलपुर, उड़ीसा

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सम्बलपुर पावन सरोवर में सद्भावना सभागृह का शिलान्यास संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रसाशिका राजयोगिनी बीके जयंती दीदी ने किया। इस मौके पर कार्यकारी सचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई, बीके पार्वती दीदी, बीके विमला दीदी, एमसीएल बुर्ला के सीएमडी उदय ए काउले, आईआईएम के निर्देशक महादेव जैसवाल भी अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

ओआरसी: बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में 500 बच्चों ने लिया भाग

बचपन के श्रेष्ठ संस्कार ही जीवन की मजबूत नींव

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज के भोराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में तीन दिवसीय बाल व्यक्तित्व शिविर आयोजित किया गया। इसमें ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि बचपन के श्रेष्ठ संस्कार ही वास्तव में जीवन की मजबूत नींव हैं। ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी मात्र 9 वर्ष की आयु से ही इस विद्यालय से जुड़ीं। उनका जीवन हमारे लिए आदर्श रूप है। उन्होंने जीवन में कभी क्रोध नहीं किया। श्रीकृष्ण भी अपने पूर्व जन्म के संस्कारों के कारण ही श्रीकृष्ण जैसे दिव्य गुणों वाले देवता बने।

बहादुरगढ़ सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके अंजली बहन ने कहा कि छोटी आयु से ही ऐसा श्रेष्ठ संग मिलना बहुत बड़े भाग्य की निशानी है। चंडीगढ़ से पधारीं बीके अनिता बहन ने कहा कि जब भी गुस्सा आए तो एक गिलास ठंडा पानी पिएं। साथ ही ओम शांति कहें तो गुस्सा शांत हो जायेगा। हीरो मोटोकॉर्प कंपनी के एचआर डिपार्टमेंट के डीजीएम अमित मलिक ने कहा कि सफलता का अर्थ ये नहीं कि अच्छे पद व प्रतिष्ठा की प्राप्ति हो। बल्कि जीवन में सदा शांति एवं खुशी बनी रहना ही सबसे बड़ी सफलता है। द अर्थ सेवियर्स के अध्यक्ष जस कालरा एवं हिसार के मुख्य आयकर आयुक्त डॉ. देवेंद्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। 'चलो नई उड़ान भरें' विषय पर आयोजित शिविर में बच्चों के लिए मानसिक और शारीरिक स्तर अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के द्वारा भी बच्चे अपनी कला प्रदर्शित करेंगे। शिविर में 500 से भी अधिक बच्चे सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में बीके विधात्री ने मंच संचालन किया।

बीके पूनम को सनातन प्रहरी सम्मान से नवाजा

शिव आमंत्रण, गाज़ीपुर, उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ की जिला प्रभारी ब्र.कु. निर्मला दीदी एवं मऊ जिला प्रभारी ब्र.कु. विमला दीदी की प्रतिनिधि ब्र.कु. पूनम बहन को जम्मू कश्मीर के उप-राज्यपाल माननीय मनोज सिन्हा ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर "सनातन प्रहरी" सम्मान से सम्मानित किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अभिनेत्री पद्मश्री अरुंधति नाग का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, बैंगलुरु। ब्रह्माकुमारीज़ के कोरमंगला सेवाकेंद्र पर प्रसिद्ध अभिनेत्री पद्मश्री अरुंधति नाग के पधारने पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गीता बहन ने सम्मानित कर ईश्वरीय संदेश दिया। बता दें कि अरुंधति नाग ने बैंगलोर में रंगा शंकरा थिएटर स्पेस का निर्माण किया। उन्हें 2010 में 57वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है

सेवाकेंद्र की द्वितीय वर्षगांठ मनाई

शिव आमंत्रण, पूसा, समस्तीपुर, बिहार। सेवाकेंद्र की द्वितीय वर्षगांठ पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. पीसी पाण्डेय, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एमएस कुंडू, बीके सविता बहन, प्रमुख व्यवसायी सतीश चांदना एवं कृष्ण भाई मुख्य रुप से मौजूद रहे।

नशे से दूर रहने का कराया संकल्प

शिव आमंत्रण, बहल (हरियाणा)। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत तम्बाकू निषेध दिवस पर चार स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजीव गाँधी खेल परिसर में प्रिंस डिफेंस अकेडमी के 100 प्रशिक्षुओं, राजीव गाँधी खेल परिसर में चल रहे योग शिविर, श्री श्याम कम्प्यूटर सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शकुंतला दीदी द्वारा लोगों को नशे से दूर रहने का संकल्प कराया गया। वहीं सुरपुरा कलां गांव के हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित नशामुक्ति कार्यक्रम में सरपंच सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-
वार्षिक मूल्य 150 रुपए, तीन वर्ष 450 रुपए
आजीवन 3500 रुपए
मो 9414172596, 8521095678
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता
संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 8538970910, 9179018078
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer
A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 6377090960
Scan To Pay

संत समागम में हिप्र के राज्यपाल का बीके सुरेंद्र दीदी ने किया सम्मान

शिव आमंत्रण, वाराणसी (उ.प्र.)। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में सरकार की ओर से राष्ट्रहित में संत समागम आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ की उप्र-नेपाल की निदेशिका राजयोगिनी बीके सुरेंद्र दीदी ने अतिथि के रूप में भाग लिया। इस मौके पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ला को ईश्वरीय संदेश दिया और स्मृति चिंह भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर बीके राधिका, बीके तापोशी, बीके सोनी, बीके विपिन एवं काशी विद्द्त परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में संत समाज मौजूद रहा।

राज्य स्तरीय वार्षिक आध्यात्मिक सम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण, सुन्नी, हिप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के सुन्नी उपसेवाकेंद्र द्वारा 6वां राज्य स्तरीय वार्षिक आध्यात्मिक सम्मेलन ओम शांति भवन में आयोजित किया गया।इसमें हिमाचल के तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि मैं यहां आकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। गुरुग्राम ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी और माउंट आबू से पधारे राजयोगी बीके प्रकाश भाई विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में में सुन्नी और आसपास के क्षेत्र से 700 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

समर कैंप: बच्चों ने सीखी राजयोग मेडिटेशन की विधि

शिव आमंत्रण, जालंधर, पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़, राजयोगा भवन, 407, आदर्श नगर, जालंधर सेवाकेंद्र पर 6 से 13 साल के बच्चों के लिए पांच दिवसीय 'संस्कार स्पार्किंग समर कैंप' का आयोजन किया गया। उद्घाटन गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल सोनिया धवन ने किया। कैंप में बच्चों ने कविताएं, गीत, ब्रेन जिम एक्टिविटीज़, डांस, राजयोगा मेडिटेशन आदि सीखा। विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी बच्चों ने पौधरोपण भी किया। समापन पर डॉ. दीपक चावला, निशांत चोपड़ा, संजय चोपड़ा, संजीव पूरी अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बीके संधीरा बहन और बीके विजय बहन ने बच्चों को मूल्यों का पाठ पढ़ाया।

राजऋषि गोकुल ग्राम योजना: जिला स्तरीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित

आदर्श गांव की दिशा में बढ़ते कदम

शिव आमंत्रण, टोंक, राजस्थान

ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग (आरईआरएफ) द्वारा चलाई जा रही सतत विकास लक्ष्यों आधारित राजऋषि गोकुल ग्राम योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अंतराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से पधारे शाश्वत यौगिक खेती प्रशिक्षक राजयोगी बीके चंद्रेश भाई ने राजऋषि गोकुल ग्राम योजना की जानकारी देते हुए कहा कि राजस्थान सरकार के साथ मिलकर संस्थान द्वारा गांवों को गोद लेकर आदर्श गांव, गोकुल गांव बनाया जा रहा है। इसकी पूरी रूपरेखा उन्होंने प्रोजेक्टर द्वारा दिखाते हुए कहा कि इस प्रकार से हम गांवों में खुशहाली लाने का श्रेष्ठ कार्य कर सकते हैं। जयपुर के जाहोता गांव को इस योजना आधारित मॉडल बनाया है।

जाहोता पंचायत के सरपंच श्याम ॅप्रताप राठौड़ ने बताया कि हम कैसे राजऋषि गोकुल गांव योजना से गांव और पंचायत को विकसित कर आदर्श बना सकते हैं। उन्होंने नौ लक्ष्यों को आधार बनाकर ग्राम पंचायत में करवाए गए कार्यों को वीडियो के माध्यम से दिखाया। जाहोता राजस्थान की पहली ओडीएफ प्लास पंचायत बनी है। इस मौके पर जिला प्रमुख सरोज बंसल व जयपुर शहर सह प्रभारी नरेश बंसल भी मौजूद रहे। जिला संयोजक राजयोगी बीके प्रहलाद भाई ने आबू रोड के तपोवन में तैयार राजऋषि गृह वाटिका की जानकारी दी। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अपर्णा दीदी ने स्वागत किया। पंचायत समिति टोडारायसिंह के सहायक अभियंता बीके ओम प्रकाश देवनानी ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान विभिन्न पंचायतों के सरपंच, कृषि अधिकारी, प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

नई राहें

बीके पुष्पेंद, संयुक्त संपादक
शिव आमंत्रण, शांतिवन

परमात्मा परमपिता, परम शिक्षक, सतगुरु के रूप में दे रहे 'दिव्य ज्ञान'

आबू रोड, राजस्थान। जीवन की पाठशाला में किस मोड़ पर कौन व्यक्ति जीवनभर के लिए सीख दे जाए पता नहीं होता है। कई बार साधारण से दिखने वाले हमारे आस-पड़ोस के लोग ऐसी सीख दे देते हैं जो हजारों पुस्तकों के अध्ययन से बढ़कर होती है। जो मनुष्य जिज्ञासु, उत्सुक और हर पल नया सीखने के लिए लालायित रहते हैं, वह दूसरों की तुलना में जीवन के हर मोर्चे पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। सीखना एक प्रक्रिया है जो जीवन पर्यंत जारी रहनी चाहिए। जीवन के अंतिम पड़ाव पर खड़ा इंसान भी कुछ न कुछ सीख रहा होता है, जिस दिन हम सीखना बंद कर देते हैं अघोषित रूप से उसी दिन से जीवन मृतप्राय: हो जाता है। मां को जीवन का पहला गुरु कहा गया है। विचारणीय प्रश्न है कि वर्तमान में क्या माता-पिता और गुरु वह आदर्श प्रस्तुत कर पा रहे हैं, जिससे बच्चे जीवन मूल्य का पाठ सीख सकें? यदि माता-पिता, गुरु के नैतिक चरित्र की नींव कमजोर है तो बच्चों में कैसे आदर्श छवि की कल्पना कर सकते हैं?

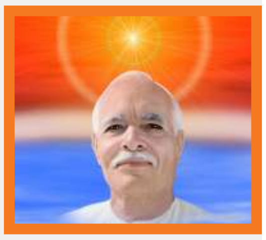

हमारी पूरी जिंदगी में सबसे यादगार, खुशनुमा, आनंदित और स्वर्णिम पल विद्यार्थी जीवन के होते हैं। विद्यार्थी जीवन जितना तपमय, परिश्रमी, विद्याध्ययन के प्रति लगन, जुनूनी होता है तो भविष्य उतना ही सुखद और प्रकाशमय होता है। ज्ञान की एक-एक बूंद व्यक्तित्व को सागर के समान बनाती है। विद्यार्थी के लिए ब्रह्मचर्य व्रत पहली और अनिवार्य शर्त बताया गया है, क्योंकि बिना पवित्रता के ज्ञान को अंतर्मन से आत्मसात नहीं किया जा सकता है। पवित्रता का बल हमारी बुद्धि के कपाट को खोल देता है। इसी तरह परमात्मा भी पवित्रता के व्रत को धारण कराकर आत्मा को तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने का दिव्य ज्ञान देते हैं।

राजयोग की शिक्षा से कर रहे आत्माओं का शृंगार-

परमपिता परमात्मा शाश्वत, सत्य ज्ञान और राजयोग की शिक्षा से मनुष्य आत्माओं का शृंगार करते हैं। वह साधारण मनुष्य तन (प्रजापिता ब्रह्मा बाबा) का आधार लेकर परम शिक्षक के रूप में आत्माओं को दिव्य ज्ञान देते हैं। अमूल्य हीरे समान इस दिव्य ज्ञान की एक-एक बात को प्रैक्टिकल में चरितार्थ करने के लिए प्रजापिता ब्रह्मा को आदर्श छवि के रूप में तैयार करते हैं, ताकि उनके कर्म, जीवनचर्या, पुरुषार्थ, तपस्या के पदचिंह्नों पर चलकर हम उस आदर्श और श्रेष्ठ छवि को आत्मसात कर सकें। वह नर को श्रीनारायण स्वरूप और नारी को श्रीलक्ष्मी स्वरूप बनने के लिए चार विषयों- ज्ञान, योग, धारणा और सेवा की पढ़ाई पढ़ाते हैं। इस पढ़ाई में पांच विकार इंतहान के रूप में हमारे पुरुषार्थ की स्थिति और उन्नति को जांचने के लिए सामने आते हैं।

परमात्मा- परमपिता, टीचर और सतगुरु के रोल में...

1. परमात्मा परमपिता के रूप में प्यार का सागर बनकर हमें आध्यात्मिक सहारा देते हैं। परमपिता के रूप में प्यार से भरपूर करते हैं। जीवन में आने वाली प्रत्येक परिस्थिति, समस्या का समाधान बताते हैं। हर कदम और हर कर्म में अपना दिव्य साथ देकर हमें शक्तिशाली बनाकर हर समस्या में विजयी बनाते हैं। हमारी छत्रछाया बनकर पल प्रति पल साथ निभाते हैं। जब हम साकार माता-पिता के समान परमात्मा को अपना सच्चा मात-पिता मानकर दिल की बातें करते हैं तो हमें सर्व विघ्नों से निश्चिंत बना देता है।

2. परमात्मा परम शिक्षक के रूप में ज्ञान का सागर बनकर हमें ज्ञान से विवेकशील बनाते हैं। ज्ञान चक्षु को खोलकर ज्ञान स्वरूप बनाते हैं। योग्यताओं और विशेषताओं से भरपूर करते हैं। सृष्टि चक्र में जन्म-जन्मांतर तक अपना श्रेष्ठ भाग्य बनाने और खुश रहने के लिए शिक्षित करते हैं। ज्ञान के आधार से दिव्य, गायन योग्य, पूजन योग्य मूर्ति बनाते हैं। वह सृष्टि चक्र, ड्रामा, कर्मों की गहन गति का ज्ञान देकर आत्मा की ज्योत जगाते हैं।

3. परमात्मा परम सतगुरु के रूप में पवित्रता का सागर बनकर हमें राजयोग मेडिटेशन की विधि सिखाते हैं, जिससे आत्मिक शुद्धता के साथ-साथ हम शांति का अनुभव करते हैं। आध्यात्मिक मार्गदर्शन करते हैं। जीवन को वरदानों और प्राप्तियों से भरपूर करके हर पहलू में सफल बनाते हैं। आत्मा को दिव्यता से भरपूर करते हैं।

सत्य ज्ञान के बिना आत्मा का कल्याण संभव नहीं है...

आध्यात्मिक सत्य ज्ञान और उसे जीवन में आत्मसात करने से ही आत्मा का कल्याण संभव है। हम जीवन में कितना ही बाह्य जगत में भटक लें लेकिन जब तक अंतर्मन में नहीं झांकेंगे, खुद को आत्मा समझकर उस परमपिता, परम शिक्षक, परम सतगुरु से अपना संबंध नहीं जोड़ेंगे, उन्हें पल प्रति पल याद नहीं करेंगे, उनकी श्रीमत पर चलकर दिव्य ज्ञान को जीवन में शिरोधार्य नहीं करेंगे तो आत्मा का कल्याण संभव नहीं है। एक परमात्मा के अतिरिक्त मनुष्य आत्मा का कोई शरीरधारी कल्याण कर नहीं सकता है। क्योंकि अनंत की प्यास अनंत ही बुझा सकता है। राजयोग मेडिटेशन ही वह विधि, कला और साधना है जिसके मार्ग पर चलकर हम जीवन को श्रेष्ठ, महान और दिव्य बना सकते हैं। राजयोग का गहन अभ्यास आत्मा को ज्योतिर्बिंदु स्वरूप परमपिता परमात्मा से मंगल मिलन कराकर अतीद्रिंय सुख के झूले में झुला देता है। इस दिव्य ज्ञान को अपने जीवन में शिरोधार्य करने वाले ऐसी लाखों मनुष्य आत्माओं हैं जिनका जीवन ज्ञान स्वरूप, योग स्वरूप, तपस्या स्वरूप बना है।

जीवन प्रबंधन

बी.के. शिवानी

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज़ की टीवी आॅइकॉन, गुरुग्राम, हरियाणा

हम जो देखते, सुनते और पढ़ते हैं वह मन का भोजन है...

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान

हम कुछ भी कार्य करने के लिए सभी चीजों की तैयारी करते हैं लेकिन जिस मन से वह कार्य करना है उसकी तैयारी नहीं करते हैं। कोई भी कार्य शुरू करने से पहले एक मिनट साइलेंस में जरूर बैठना चाहिए। साथ ही वह पूरा होने पर दूसरा कार्य के लिए फिर एक मिनट का गैप लेकर साइलेंस में बैठना चाहिए। इससे उसके लिए मानसिक रूप से तैयार हो जाते हैं। दुनिया में मीडियाकर्मियों का रोल सबसे अहम होता है। मीडिया पल-पल की खबरों से सभी को रूबरू कराता है, लेकिन आप सभी बात का भी चिंतन करें कि मेरे अंदर के मीडिया में क्या चल रहा है। हम दुनिया को ये बताते हैं कि दुनिया में क्या हो रहा है। लेकिन यदि हम साथ में ये भी बताना शुरू करें कि जो हो रहा है यदि उसको बदलना है तो क्या करना पड़ेगा। मीडिया यदि ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक खबरें दिखाएगा तो समाज में सकारात्मकता बढ़ेगी। मीडिया समाज को सिर्फ दुनिया का दर्पण नहीं दिखाता, मीडिया- समाज जो है, वैसा बनाता है। मीडिया वह भोजन खिलाती है जिसको खाकर समाज की हेल्थ बन रही है। इसमें मीडिया की च्वॉइस है कि हम समाज को क्या खिलाना चाहते हैं। जो हम औरों को खिलाते हैं वह सबसे पहले हमें स्वयं भी खाना पड़ता है। अर्थात् जो नकारात्मक खबरें समाज को दिखाते या पढ़ाते हैं तो उसका असर हमारे ऊपर भी होता है।

ज्यादा इन्फॉर्मेशन से बढ़ रही ज्यादा सोचने की आदत...

आज ज्यादातर लोगों को ज्यादा सोचने की बीमारी है। इसका कारण है हमारी रुटीन की लाइफ में ज्यादा इन्फॉर्मेशन का होगा। यदि हमारे रुटीन की दिनचर्या में जितनी कम सूचनाएं अर्थात् कम इन्फॉर्मेशन रहेगी तो कम विचार (थॉट्स) आएंगे। वहीं जितनी ज्यादा इन्फॉर्मेशन आएगी तो उतने ही ज्यादा विचार आएंगे। ज्यादा विचार आने या सोचने से मन की शक्ति घट जाती है और कमजोर हो जाता है। वहीं कम सोचने से हमारे हर एक संकल्प शक्तिशाली (पॉवरफुल) होता है। ऐसे में आप जो संकल्प करेंगे वह सिद्ध हो जाएगा और जब संकल्प सिद्ध होंगे तो वही कर्म में आकर हमारा भाग्य बनाएंगे। यदि मन में गलत संकल्प हैं तो वैसे ही कर्म होंगे और वैसा ही भाग्य बनेगा।

जैसा मन में भरेंगे, वैसी सोच बनेगी...

इन्फॉर्मेशन थॉट्स का सोर्स है, तो हम जो देखते, सुनते और पढ़ते हैं वह एक तरह से मन का भोजन है। जैसा उसे हम मन में भरेंगे, वैसी सोच बनेगी और जैसी सोच बनेगी वैसा समाज होगा, जैसा समाज होगा वह मीडिया दिखाएगी और जो लिखेंगे वह समाचार पत्र, टीवी के माध्यम से सब पढ़ेंगे-सुनेंगे, फिर जैसा लोग पढ़ेंगे वैसा ही सोचेंगे और कल फिर वैसा ही होता जाएगा। इस तरह जो मीडिया में आएगा, वह समाज में बढ़ता जाएगा। मीडिया के पास समाज को बदलने की पॉवर है।

मीडिया समस्या के साथ समाधान भी बताए...

मीडिया को इस बात का ध्यान रखना होगा कि कोई भी समस्या को हम किस तरह प्रस्तुत कर रहे हैं। सिर्फ समस्या को प्रस्तुत कर रहे हैं या समस्या के साथ उसका समाधान भी लोगों को बता रहे हैं। यदि हम रोज सिर्फ ये पढ़ेंगे कि दुनिया में क्या-क्या हो रहा है तो हमारा नजरिया दुनिया के प्रति सिर्फ गलत ही बनता जाएगा। यदि कोई भी जर्नलिस्ट कोई इवेंट कवरेज करने जाते हैं तो यह उनकी मनोस्थिति पर निर्भर करता है कि वह उसे किस एंगिल से लिखते हैं या उसमें से क्या सिलेक्ट करते हैं। लोग जो रोज अखबार में पढ़ेंगे वही उनकी सोच बनेगी और वैसा ही समाज बनेगा। अब मीडिया को तय करना होगा कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं?

बेहतर समाज के लिए मीडिया को उठाने होंगे ये कदम...

- किसी एक को जिम्मेदारी उठानी होगी कि हम बदलाव की शुरुआत करेंगे। यदि सकारात्मक खबरों को समाज में देंगे तो समाज में भी सकारात्मकता बढ़ेगी।
- दुनिया की सभी समस्याओं (भ्रष्टाचार, अपराध, नशा) का एक ही समाधान है सबके सोचने के तरीके को ठीक करना। मीडिया ज्यादा से ज्यादा ऐसी चीजें समाज को दे जिससे की लोग मोटिवेट (प्रेरित) हों। सकारात्मकता बढ़े। जब लोगों की सोच बदलेगी तो कर्म बदलेंगे, कर्म बदलेंगे तो समाज और संसार बदलेगा।
- जितनी अच्छी बातें समाज में शेयर करेंगे तो वह बढ़ती जाएंगी। पॉवरफुल मीडिया ही एक पॉवरफुल सोसायटी क्रियेट करेगा।
- सभी मीडिया हाउस अपने ऑफिस में बोर्ड लगा दें कि यहां गुस्सा करना मना है।

ये जानना जरूरी...

- यदि भारत को स्वच्छ बनाना है तो अपने मन को स्वच्छ-साफ बनाना होगा।
- स्प्रीचुअलिटी मतलब सही सोचने का तरीका। एक समस्या के अंदर भी सही सोचने का तरीका। हम ऐसा करें जिसे दूसरे भी कॉपी करें।
- सुबह उठते ही 15-20 मिनट ऐसा पढ़ें जो आप अपने जीवन में बनना और देखना चाहते हैं। सकारात्मक पढ़ेंगे-देखेंगे-सुनेंगे तो सकारात्मक बनेंगे और नकारात्मक पढ़ेंगे-देखेंगे-सुनेंगे तो वैसे ही बनेंगे। साथ ही रात को भी 10 मिनट आध्यात्मिक साहित्य पढक़र या सुनकर ही सोएं।
- सुबह का आधा घंटा खुद को अपने माइंड व बॉडी की हेल्थ बनाने के लिए दें। यदि हमें सात्विक मन चाहिए तो सात्विक अन्न खाना पड़ेगा।
- मेडिटेशन मतलब हर एक बात व कर्म का ये ध्यान रखना कि वह सही है। मेडिटेशन से विचारों को एक दिशा मिलती है और फिर हम उसी अनुसार कर्म करते हैं।
- यदि हम सारा दिन काम करके शाम को जब खुश होकर घर जाएंगे तो परिवार को भी खुशी दे पाएंगे और दूसरे दिन भी खुश होकर ही आएंगे।
- सभी का बीज है इमोशनल हेल्थ। सभी समस्याओं का एक ही समाधान है हमें अपने सोचने का तरीका बदलना होगा।
- आत्मा का स्वभाव प्रेम है। इसलिए हर कोई चाहता है कि उसे कोई भी समझाए तो प्यार से ही समझाए फिर ये कहना गलत है कि लोग बिना गुस्सा किए बात को नहीं मानते हैं।
- जो गुस्सा करता है उसके प्रति हमारा रहम भाव हो कि ये तो अनजान हैं, बहुत कमजोर हैं।
- हमारे मन से जो विचारों के रूप में एनर्जी निकल रही है, हमें उसके सोर्स को बदलना होगा। साथ ही उसे बेस्ट से रोकना होगा।

खुद से करें ये सवाल...?

- यदि हमें अपने जीवन की क्वालिटी को सुंदर बनाने के लिए यदि एक आदत चैंज करनी हो तो वह आदत कौन सी होगी, जिससे हमें और दूसरों की भी सुख मिलेगा, इसका एकांत में बैठकर चिंतन करें।

छ्वक्या हम जो काम कर रहे हैं वह बिना गुस्सा के हो सकता है?

- यदि हमें अपनी एनर्जी को बचाना है तो उसे चार्ज भी करना पड़ेगा?
- बदलाव की शुरुआत एक दिन से करें और चैक करें कि क्या हम जैसा चाहते हैं वैसा कर सकते हैं?
- मेरे परिवर्तन से विश्व का परिवर्तन होता है। जैसी हमारी सोच होगी, वैसा हम समाज को दिखाएंगे और वैसा ही समाज बनेगा।
- किसी भी बात के लिए दूसरों को दोष न देते हुए उसका मंथन करें कि मैं क्या सही कर सकता हूं।
- बातों को भूलना सीखें। यदि हम कड़वे अनुभवों को पकडक़र रखेंगे तो हमारे माइंड में ब्लैक एनर्जी जमा होती जाएगी। निरीक्षण करें कि कहीं हमने इस तरह की बातों को अपने मन में तो नहीं इक्कट्ठा करके रखा है। यदि ऐसा है तो उन्हें आज ही अपने मन से निकाल दें। लोगों को माफ कर दें और माफी मांग लें।

दूतावास में मेडिटेशन सेशन आयोजित

शिव आमंत्रण, मॉस्को, रशिया। भारतीय दूतावास में राजयोग ध्यान की क्लासेस आयोजित की गईं। इसमें रशिया की निदेशिका राजयोगिनी बीके सुधा दीदी ने आध्यात्मिक ज्ञान की शिक्षा देते हुए जीवन में राजयोग मेडिटेशन के प्रैक्टिकल उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। यह सेशन भारत के राजदूत विनय कुमार के सहयोग से आयोजित किया गया।

वर्कशॉपः योग के गुर सिखाए

शिव आमंत्रण, हांगकांग। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा प्रसिद्ध जादूगर हैरी के नेतृत्व में मेडिटेशन वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें सभी को राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया गया और प्रतिभागियों को योग के टिप्स दिए।

ग्लोबल आयकॉन अवॉर्ड से सम्मानित

शिव आमंत्रण, श्रीलंका। भंडारनाईके मेमोरियल इंटरनेशनल कॉन्फेस हॉल में आयोजित इंडो श्रीलंका इकोनॉमिक समिट मे बीके डॉ. दीपक हरके को ग्लोबल आयकॉन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड कोलंबो के लोकसभा सदस्य डॉ. प्रेमनाथ सी डोलावत्टे और श्रीलंका के सार्क कल्चरल सेंटर के डेप्युटी डायरेक्टर डॉ. बिना गांधी ने प्रदान किया।

मप्र के मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

शिव आमंत्रण, रीवा, मप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दूसरी बार ब्रह्माकुमारी संस्थान रीवा को समाजसेवा में सराहनीय कार्य करने पर सम्मानित किया। ब्रह्माकुमारीज़ रीवा की संचालिका राजयोगिनी बीके निर्मला दीदी एवं बीके प्रकाश भाई को मानव कल्याण, पर्यावरण संवर्धन एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मप्र के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्लाज, सांसद जनार्दन मिश्रा, रीवा महाराजा पुष्पराज सिंह जू देव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विधायक गिरीश गौतम, सभी विधायकगण, कमिश्नर वा रीवा-शहडोल जोन के आईजी डॉ. महेंद्र सिंह सिकरवार, कलेक्टर प्रतिभा पॉल एवं समस्त जिले के प्रशासनिक अधिकारी और हजारों लोग मौजूद रहे। बता दें कि ब्रह्माकुमारीज़ रीवा द्वारा लगातार सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर सेवा की जाती है। इसके चलते सम्मानित किया गया।

RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2024-26, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 June. 2024
» प्रकाशक व मुद्रकः करुणाकर शेट्टी द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कार प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित » संपादकः ब्र.कु. कोमल » संयुक्त संपादकः ब्र.कु. पुष्पेन्द्र